Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 38
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
रविवार,07 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्यभर में पुनर्विकसित हो रहे 4 भारत के प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और 5 मां के साथ मौनी रॉय का ओणम सेलिब्रेशन

भारत-अमेरिका संबंधों के बारे में ट्रंप की सकारात्मक राय का समर्थन करता हूं: पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने दोनों देशों के विशेष संबंध की सराहना की थी, जिसे दोनों देशों रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। ट्रंप ने हालांकि विस्तार से नहीं बताया कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50: शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25: शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और विवेकहीन बताया था। इससे पहले, भारत के साथ संबंधों को पुनः स्थापित करने की संभावना के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का मित्र रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। लेकिन वह इस समय जो कर रहे हैं, मुझे पसंद नहीं है। उन्होंने ओवल ऑफिस में कहा, भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार कहा था कि अमेरिका भारत को चीन के हाथों खो रहा है। इस पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ है। मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा सुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे।

नई प्रदेश कार्यकारिणी की सूची तैयार, पहली बार संगठन में बड़े पद पर महिला को भी सौंपी जा सकती

देहरादून (एजेंसी)। बीजेपी की नई प्रदेश कार्यकारिणी की सूची के जारी होने के नेताओं को बेसब्री से इंतजार है। पहली बार संगठन में बड़े पद पर महिला को भी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी की सूची तैयार है, बस इसके जारी होने का इंतजार है। प्रदेशभर के पार्टी नेताओं की निगाहें सूची पर लगी हुई हैं। शुक्रवार को भी पार्टी नेताओं का प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से उनके आवास पर मिलने का सिलसिला जारी रहा। भाजपा की नई कार्यकारिणी में 31 पदाधिकारी घोषित किए जाएंगे, इनमें आठ प्रदेश उपाध्यक्ष, आठ प्रदेश मंत्री, तीन महामंत्री, एक महामंत्री संगठन, एक प्रदेश मीडिया प्रभारी, एक कोषाध्यक्ष व एक कार्यालय सचिव होगा। इसके अलावा सात अलग-अलग मोर्चों युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित किए जाएंगे। पहली बार संगठन में बड़े पद पर महिला को भी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। पिछले माह के अंत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट दिल्ली से लौटकर आए थे, जिसके बाद नई कार्यकारिणी के चयन के लिए कसरत तेज हुई थी। चयन पर संगठन ने काफी विमर्श किया पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से सलाह-मशविरा करने के बाद पार्टी के नए पदाधिकारियों के नामों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। बस इस सूची के जारी होने का इंतजार है। अगर शनिवार को सूची जारी न हुई तो फिर नवरात्र तक इंतजार बढ़ सकता है। क्योंकि 7 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो जाएगा।

शार्क के हमले से दहला सिडनी का समुद्र तट, लॉन्ग रीफ बीच पर एक सर्फर की गई जान

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के नॉर्दर्न बीचेस इलाके में स्थित लॉन्ग रीफ बीच पर शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जब एक 57 वर्षीय व्यक्ति की शार्क हमले में मौत हो गई। यह व्यक्ति कुछ दोस्तों के साथ समुद्र की लहरों का आनंद लेने सर्फिंग के लिए गया था, लेकिन महज 30 मिनट में ही एक भयानक हादसे का शिकार हो गया। यह घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीड़ित व्यक्ति अपने दोस्तों के साथ समुद्र में सर्फिंग कर रहा था। मौसम साफ था और समुद्र की लहरें सर्फिंग के लिए उपयुक्त थीं। लेकिन कुछ ही समय बाद समुद्र में हलचल मची और एक शार्क ने उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। हमले के बाद उसके दोस्तों ने उसे तुरंत किनारे पर लाया और आपातकालीन सेवाओं को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और पैरामेडिक्स ने उसे बचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह बताया जा रहा है कि शार्क ने उसके निचले शरीर पर हमला किया, जिससे वह अत्यधिक रक्तस्राव का शिकार हो गया।

विकसित भारत की परिकल्पना का सारथी बनेगा परिवहन विभाग: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की विभिन्न सेवाओं के शुभारंभ और डिजिटल लोकार्पण एवं शिलान्यास के संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परिवहन विभाग प्रदेश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सबसे बड़ा माध्यम है और इसे विकसित भारत की परिकल्पना का सारथी बनना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पास देश में सबसे बड़ा बेड़ा है। इतनी बड़ी संख्या में सेवाएं देना अपने आप में एक उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ ही चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सीएम योगी ने रक्षाबंधन पर बहनों को तीन दिनों तक मुफ्त बस यात्रा उपलब्ध कराने की पहल को सराहनीय बताया और कहा कि विभाग भविष्य में इस तरह की सेवाओं का प्रचार-प्रसार और प्रभावी तरीके से करे। उन्होंने कहा

कि कोई भी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र यदि समय की गति से पीछे जाता है तो हमेशा के लिए पीछे रह जाता है। लेकिन यदि वह समय की गति से दो कदम आगे चलने की क्षमता रखता है, तो विजयश्री का ध्वज फहराता है। उन्होंने परिवहन विभाग से अल्पकालिक (03 वर्ष), मध्यम अवधि (10 वर्ष) और दीर्घकालिक (22 वर्ष) योजनाएं तैयार करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिया कि फाइल को लटकाने की आदत बंद करनी पड़ेगी। जनसुनवाई को तेजी से आगे बढ़ाना पड़ेगा। विभाग में टीम वर्क को और सशक्त बनाना पड़ेगा तो परिणाम आने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग ने समय-समय पर अपनी सेवाओं से मिसाल पेश की है। 2019 के प्रयागराज कुंभ और 2020 की वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान जब करोड़ों कामगार और श्रमिक अपने-अपने राज्यों और गांवों की ओर लौट रहे थे, तब विभाग ने उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड तक प्रवासियों को सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एल्गार परिषद मामले में ज्योति की जमानत पर आठ को होगी सुनवाई, भीमा-कोरेगांव हिंसा से जुड़ा केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट आठ सितंबर को एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में गिरफ्तार एक्टिविस्ट ज्योति जगताप की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। जगताप को 2020 में गिरफ्तार किया गया था और उन पर कबीर कला मंच के जरिए भड़काऊ नारे लगाने का आरोप है। एनआईए ने एक अन्य आरोपी महेश राऊत को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत को भी चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट आगामी सोमवार को एक्टिविस्ट ज्योति जगताप की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। जगताप को 2020 में एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह सुनवाई ऐसे समय हो रही है जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक अन्य आरोपी और एक्टिविस्ट महेश राऊत को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अदालत इस याचिका पर भी सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने महेश राऊत को जमानत दी थी, लेकिन एनआईए ने इस आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। एनआईए का आरोप है कि ज्योति जगताप कबीर कला मंच की सक्रिय सदस्य थीं और उन्होंने 31 दिसंबर 2017 को पुणे में आयोजित एल्गार परिषद सम्मेलन में मंच से भड़काऊ और उत्तेजक नारे लगाए। कबीर कला मंच और माओवादी लिंक का आरोप एनआईए के अनुसार, कबीर कला मंच भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का फ्रंट संगठन है। जांच एजेंसी का दावा है कि जगताप और अन्य सदस्यों ने सम्मेलन में ऐसे गीत और नारे पेश किए, जिनसे जनता को भड़काया गया। अदालत ने भी माना था कि जगताप पर लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया गंभीर और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े हैं। कोरेगांव-भीमा हिंसा से जुड़ा मामला एल्गार परिषद का यह सम्मेलन पुणे के शनिवारवाड़ा किले में हुआ था। आरोप है कि इस सम्मेलन में दिए गए भाषणों और नारों ने 1 जनवरी 2018 को पुणे के बाहरी इलाके कोरेगांव-भीमा में हुई हिंसा को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए थे और सामाजिक तनाव बढ़ गया था।

घर वाले कर रहे थे अंतिम संस्कार की तैयारी, अचानक लौट आई सांसे

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक शख्स की सांसे उस वक्त लौट आई जब घर वाले उसके अंतिम संस्कार की तैयारी में लगे थे। इस घटना को देखने के बाद वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। एक रिश्तेदार ने बताया कि एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। उसके अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, तभी वह हिलने-डुलने और खांसने लगा। फिलहाल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। वहीं निजी अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि परिजन शब्दों को समझने में भ्रमित हो गए थे। युवक के रिश्तेदारों कहा कि त्र्यंबकेश्वर तालुका के निवासी भाऊ लचके (19) को कुछ दिन पहले एक दुर्घटना में गंभीर चोटें लगने के बाद अडगांव के एक निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। लचके के रिश्तेदार गंगाराम शिदे ने कहा, जब हम उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे, तब वह हिलने-डुलने और खांसने लगा।

20 वर्षों से भाजपा-जदयू सत्ता में हैं, फिर भी शिक्षा, रोजगार और सिंचाई की हालत बदतर-तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को एनडीए सरकार पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से भाजपा और जदयू सत्ता में हैं, फिर भी बिहार में शिक्षा, रोजगार और सिंचाई की हालत बदतर है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के संबंध में कहा कि हम लोग नेताओं से मिलते रहते हैं, बातचीत चलती रहती है। यह प्रक्रिया है, चलती रहती है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बिहार में 20 साल से एनडीए सत्ता में है, लेकिन बिहार में क्या

है? बिहार में अपराध बढ़ गया है, भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार में न दवाई है, न पढ़ाई है, न सिंचाई है। उन्होंने कहा कि देश में बिहार प्रति व्यक्ति आय में सबसे फिसड्डी है। किसानों की आय के मामले में बिहार पीछे है। कोई उद्योग धंधा नहीं है। अब जब चुनाव का समय आया है, तो ये हमारी नकल कर रहे हैं। एक उद्योग कारखाना क्यों नहीं है? पहले ये लोग बात क्यों नहीं करते थे? माई बहिन योजना के फॉर्म को लेकर फजीहत कहने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग स्वेच्छा से फॉर्म भर रहे हैं। इसमें क्या गलत है? भाजपा-जदयू की हालत खराब है, ये लोग हिले हुए हैं इससे पहले, राजद नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एनडीए की सरकार पर पिछले 20 वर्षों में राज्य की दो पीढ़ियों को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए दस सवाल पूछे। तेजस्वी यादव ने एनडीए पर हमला करते हुए कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री के 20 वर्षों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी 11 वर्षों की डबल इंजन सरकार ने बिहार की दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद किया है।

जेपी नड्डा ने एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय

अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आवास पर आयोजित होने वाली एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को रद्द कर दिया है। यह निर्णय पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शनिवार को एनडीए सांसदों के लिए डिनर पार्टी होनी थी। डिनर का आयोजन उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर किया जाना था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शामिल होना था। फिलहाल, जानकारी सामने आई है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की तरफ से इस आयोजन को रद्द करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होने हैं। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है। उपराष्ट्रपति चुनाव जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। 21 जुलाई की रात को जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल, संख्या के लिहाज से एनडीए के सीपी राधाकृष्णन अपने प्रतिद्वंद्वी और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में कुल 245 सदस्यों में से 233 सांसद हैं।

जीतन राम मांझी ने चिराग को दी नसीहत, कहा- ऐसा कोई काम न करें जिससे गठबंधन कमजोर पड़े

पटना। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने शनिवार को आगामी चुनावों में एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है और जो भी फैसला केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से आएगा, उसको सभी मानेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद ही बातें होंगी। मांझी ने कार्यकताओं को चुनाव अकेले लड़ने के लिए तैयार रहने की बात कही थी। उन्होंने इस पर सफाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कहा गया था। कभी-कभी कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसा बोलना पड़ता है। वहीं, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान पर कुछ भी बोलने से बचते हुए इशारों में निशाना साधा।

जीएसटी दरों में छूट का लाभ आम लोगों को मिले-यह सुनिश्चित करे सरकार: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करके

आम लोगों को फायदा पहुंचाने का प्रयास हुआ है लेकिन अब यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस पहल से खास लोग ही नहीं बल्कि जन सामान्य लाभान्वित हों। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सरकार को इस बात पर भी नजर रखनी है कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से सामान्य उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आ रही है। इस पर नजर रखने के लिए उसे फिर से राष्ट्रीय मुनाफाखोरी निरोधक प्राधिकरण-एनएए को सक्रिय करना पड़ेगा। इस प्राधिकरण को एक अधिसूचना के माध्यम से सरकार ने ही लगभग निष्क्रिय कर दिया था और अब उम्मीद की जानी चाहिए कि जीएसटी की नयी दरें लागू होने के बाद एनएए को फिर से सक्रिय कर दिया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 171 के तहत एनएए की स्थापना इस बात पर नजर रखने के लिए की गई थी कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से कीमतों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि दिक्कत यह है कि एनएए को निष्क्रिय कर दिया गया है। मोदी सरकार ने पिछले साल 30 सितंबर को एक अधिसूचना जारी कर इस वर्ष एक अप्रैल से एनएए को लगभग समाप्त कर दिया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले-जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से न केवल आम लोगों को फायदा होगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में उसके शासनकाल के दौरान कर का ह्यह्यभारी बोझ था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद का अहितकर और विलासिता की वस्तुओं की श्रेणी को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की श्रेणी में लाने तथा कई आवश्यक वस्तुओं पर कर को शून्य करने का निर्णय 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगा। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा, आगामी 22 तारीख, नवरात्रि का पहला दिन, हम सभी के लिए, सभी मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए और इस देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए एक नई खुशी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का काम करेंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा, इस सुधार से देश

के 140 करोड़ लोगों के जीवन में बड़ी राहत आई है। 2014 से पहले (कांग्रेस के शासन के दौरान) हर वस्तु पर लगने वाले विभिन्न प्रकार के करों के जाल के कारण आम लोगों पर भारी बोझ था।श्श वैष्णव ने कहा कि नवीनतम जीएसटी सुधार और पहले घोषित 12 लाख रुपए तक की आयकर छूट देश में मध्यम वर्गीय परिवारों सहित आम लोगों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। भाजपा नेता ने कहा कि सरकार लगभग डेढ़ साल से जीएसटी सुधारों पर काम कर रही थी और प्रधानमंत्री लगातार इस पर नजर रख रहे थे और हर कदम पर मार्गदर्शन दे रहे थे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्यभर में पुर्नविकसित हो रहे बसपोर्ट का किया शिलान्यास: ओमेक्स बीटूगेदर करेगा 06 प्रमुख बसपोर्ट का आधुनिकीकरण

लखनऊ,: उत्तर प्रदेश के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी एवं माननीय परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी ने राज्यभर में आधुनिक बसपोर्ट का शिलान्यास किया। इस शिलान्यास कार्यक्रम में बीटुगेदर (ओमैक्स ग्रुप का वेंचर) द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले 06 बसपोर्ट्स में से चार का शिलान्यास किया गया। इनमें लखनऊ (विभूति खंड, गोमती नगर), गाजियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) और अयोध्या धाम शामिल हैं। इन चार के अलावा बीटूगेदर लखनऊ (अमौसी) और कौशाम्बी (गाजियाबाद) बसपोर्ट्स का भी विकास करेगा। लगभग रू-2,700 करोड़ के निवेश से बनने वाले ये सभी 06 बसपोर्ट्स यात्री सुविधा और वाणिज्यिक गति विधियों के समन्वय के साथ एकीकृत, भविष्य के लिए तैयार केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन यू.पी.एस.आर.टी.सी. द्वारा किया गया, जिसमें श्री मासूम अली सरवर (आईएएस, प्रबंध निदेशक, यू.पी.एस.आर.टी.सी.) एवं श्री

अमित गुप्ता (आईएएस, अध्यक्ष, यू.पी.एस.आर.टी.सी. एवं प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान ओमेक्स बीटूगेदर की ओर से श्री मोहित गोयल (प्रबंध निदेशक, ओमैक्स ग्रुप एवं संस्थापक, बीटुगेदर) तथा श्री सुनील कुमार सोलंकी (प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड, बीटुगेदर) उपस्थित रहे। ओमेक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं बीटूगेदर के संस्थापक श्री मोहित गोयल ने कहा, ह्यू.पी.एस.आर.टी.सी. द्वारा बसपोर्ट्स के आधुनिकीकरण की पहल उत्तर प्रदेश की शहरी प्रगति और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें गर्व है कि हम 06 बसपोर्ट्स को आधुनिक और एकीकृत ट्रांजिट हब में बदलने में सहयोग कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ यात्री सुविधाओं को बढ़ाना ही नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास के नए अवसर भी बनाना है। यू.पी.एस.आर.टी.सी. के साथ साझेदारी कर हम राज्य की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के मिशन का हिस्सा बनकर गौरव महसूस कर रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे नए बसपोर्ट्स नए बसपोर्ट्स पारंपरिक बस टर्मिनलों से कहीं आगे बढ़ कर अगली पीढी के ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इनमें ऑटोमेटेड टिकटिंग, डिजिटल शेड्यूल बोर्ड, एयर कंडिशन्ड लाउंज, एस्केलेटर, लिफ्ट, स्मार्ट सिक्योरिटी सिस्टम और चार्जिंग स्टेशन जैसी आधुनिक यात्री सुविधाएँ होंगी। इसके साथ ही रिटेल आउटलेट्स, फूड कोर्ट, बैंक्वेट हॉल, स्टूडियो अपार्टमेंट्स और ऑफिस स्पेस जैसी व्यावसायिक गति विधियाँ भी शामिल होंगी, जिससे ये बसपोर्ट्स अपने-अपने शहरों में जीवंत आर्थिक केंद्र बनेंगे। हर परि योजना को प्रमुखरेजिडेंशियल और कमर्शियल सेक्टर्स के आसपास रणनीति के तहत स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों और व्यवसायों को बेहतर कनेक्टिविटी व सुविधाएं मिलें। इन बसपोर्ट्स का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, ओवरऑल डेवलपमेंट और ओमेक्स के अनुभव पर आधारित है, जो न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर की खाई को पाटेगा बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी गति देगा। बीटूगेदर के बारे मेः बीटूगेदर, ओमेक्स ग्रुप की एक पहल एवं उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो रणनीतिक सहयोग और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भारत के शहरी एवं आर्थिक विकास को नई दिशा देने पर केंद्रित है। रू-2,700 करोड़ से अधिक के प्रारंभिक निवेश के साथ, बीटूगेदर का उद्देश्य प्रमुख शहरी केंद्रों का आधुनिकीकरण करना और जीवंत, सतत समुदायों का निर्माण करना है। ओमेक्स ग्रुप के बारे में: सन् 1987 में स्थापित, ओमेक्स लिमिटेड भारत की प्रमुख और विश्वसनीय रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। 2007 में एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध, ओमेक्स ने 31 शहरों और 8 राज्यों में लगभग 140.17 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र का विकास किया है। कंपनी का पोर्टफोलियो आवासीय, वाणिज्यिक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रोजेक्ट्स तक फैला है। ओमेक्स ने ओमेक्स न्यू चंडीगढ़ टाउनशिप, वर्लड स्ट्रीट (फरीदाबाद), ओमेक्स चैक (चांदनी चैक, दिल्ली) और रॉयल रेजीडेंसी (लुधियाना) जैसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स के माध्यम से शहरी परिदृश्य को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। वर्तमान में कंपनी द्वारका में द ओमेक्स स्टेट नामक एक प्रमुख मिश्रित-उपयोग गंतव्य विकसित कर रही है।

भदोही के सिखापुर गाँव के निवासी डॉ.अभय पांडेय को मिला राष्ट्रीय सम्मान

भदोही : भदोही जिले के सिखापुर गाँव के निवासी, श्री सुरेश चंद्र पांडेय के सुपुत्र डॉ. अभय पांडेय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित श्री रामबहादुर राय और श्री अशोक भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और डॉ. पांडेय को यह सम्मान प्रदान किया। इस उपलब्धि पर पूरे भदोही जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। जिलेवासियों ने कहा कि डॉ. पांडेय की यह उपलब्धि न केवल सिखापुर गाँव बल्कि पूरे भदोही के लिए गौरव का विषय है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमण कर किया निरीक्षण

भदोही : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पी0ई0टी0)-2025 जनपद के 17 परीक्षा केन्द्रों

पर निष्पक्ष, पारदर्शी,शांतिपूर्ण व सकुशल ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा को नकल विहीन व पारदर्शी ढग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमण कर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्र काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ब्लॉक ए ,ब्लॉक बी, श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज, प्रेम बहादुर सिंह पब्लिक स्कूल, सनबीम स्कूल सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा सीसीटीवी कंट्रोल रूम में परीक्षा कक्षों के गतिविधियों की जानकारी ली गई।

डीएम, एसपी ने आराजी आवटन के सम्बध में दाखिल दावे की स्थलीय निरीक्षण कर की जांच

भदोही : जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा तहसील औराई के सोनबरसा की आराजी आवटन के सम्बध में दावाकर्ता

दिनेश सिंह चौहान द्वारा दाखिल दावे की स्थलीय निरीक्षण कर जांच की गई। दावा कर्ता दिनेश सिंह चौहान ने आवंटन दिनांक 26 दिसंबर 1998 निरस्त किए जाने हेतु जिलाधिकारी न्यायालय में दावा दाखिल किया है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा तहसील कर्मचारियों एवं आर्वटियों से अभिलेखों की तथा पट्टा के संबंध में पूछताछ कर जानकारी प्राप्त की तथा पट्टा के संबंध में गहनता से जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान दावा कर्ता पक्ष व पट्टा धारक पक्ष मौके पर उपस्थित रहे।

2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05017/05018 मऊ-उधना-मऊ वाया गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मऊ से 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा उधना से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05017 मऊ-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को मऊ से 05.30 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड से 06.17 बजे, सलेमपुर से 06.42 बजे, भटनी से 07.05 बजे, देवरिया सदर से 07.30 बजे, गोरखपुर से 09.30 बजे, खलीलाबाद से 10.10 बजे, बस्ती से 10.40 बजे, गोंडा से 12.00 बजे, बाराबंकी से 13.27 बजे, बादशाहनगर से 14.02 बजे, ऐशबाग से 14.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 16.10 बजे, टूण्डला से 19.10 बजे, ईदगाह आगरा से 20.20 बजे, बयाना से 22.05 बजे, गंगापुर सिटी से 23.00 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.25 बजे, भवानी मंडी से 02.15 बजे, शामगढ़ से 02.40 बजे, नागदा से 04.30 बजे, रतलाम से 06.25 बजे तथा वडोदरा से 10.30 बजे छूटकर उधना 12.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 05018 उधना-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को उधना से 15.00 बजे प्रस्थान कर वडोदरा 16.40 बजे, रतलाम से 21.40 बजे, नागदा से 22.42 बजे, शामगढ़ से 23.40 बजे, भवानी मंडी से 23.55 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.25 बजे, गंगापुर सिटी से 03.30 बजे, बयाना से 04.30 बजे, ईदगाह आगरा से 07.05 बजे, टूण्डला से 08.15 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.40 बजे, ऐशबाग से 14.15 बजे, बादशाहनगर से 14.47 बजे, बाराबंकी से 15.22 बजे, गोण्डा से 17.00 बजे, बस्ती से 18.20 बजे, खलीलाबाद से 18.47 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, देवरिया सदर से 20.35 बजे, भटनी से 21.00 बजे, सलेमपुर से 21.22 बजे तथा बेलथरा रोड से 21.47 बजे छूटकर मऊ 22.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में के एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक प्रत्येक रविवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दशहरा, दीवाली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05115/05116 छपरा-उधना-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा उधना से 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05115 छपरा-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को छपरा से 17.45 बजे प्रस्थान कर बलिया से 18.55 बजे, गाजीपुर सिटी से 19.50 बजे, औंड़िहार से 20.50 बजे, जौनपुर से 22.20 बजे, वाराणसी जं. से 23.55 बजे दूसरे दिन मिर्जापुर से 01.50 बजे, प्रयागराज छिवकी से 05.25 बजे, मानिकपुर से 07.40 बजे, सतना से 08.50 बजे, कटनी मुड़वारा से 11.25 बजे, दमोह से 12.57 बजे, सागर से 14.12 बजे, बीना से 16.20 बजे, संत हिरदाराम नगर से 19.05 बजे, उज्जैन से 21.40 बजे, तीसरे दिन रतलाम से 00.15 बजे, गोधरा से 03.27 बजे, वडोदरा से 04.30 बजे, भरुच से 05.20 बजे तथा सूरत से 06.38 बजे छूटकर उधना 07.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05116 उधना-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को उधना से 10.00 बजे प्रस्थान कर सूरत से 10.20 बजे, भरुच से 11.17 बजे, वडोदरा से 12.30 बजे, गोधरा से 14.32 बजे, रतलाम से 17.17 बजे, उज्जैन से 19.15 बजे, संत हिरदाराम नगर से 22.17 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.20 बजे, सागर से 02.52 बजे, दमोह से 04.07 बजे, कटनी मुड़वारा से 06.15 बजे, सतना से 08.15 बजे, मानिकपुर से 09.20 बजे, प्रयागराज छिवकी से 11.20 बजे, मिर्जापुर से 12.30 बजे, वाराणसी जं. से 16.35 बजे, जौनपुर से 17.50 बजे, औंड़िहार से 19.05 बजे, गाजीपुर सिटी से 20.00 बजे तथा बलिया से 21.10 बजे छूटकर छपरा 23.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 08 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

बैरगनिया से 13.32 बजे छूटकर सीतामढ़ी 15.00 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहार में यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 04016/04015 आनन्द विहार टर्मिनस-सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन 29 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक आनन्द विहार टर्मिनस से तथा 30 सितम्बर से 01 दिसम्बर, 2025 तक सीतामढ़ी से 63 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04016 आनन्द विहार टर्मिनस-सीतामढ़ी पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक आनन्द विहार टर्मिनस से प्रतिदिन 15.30 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 16.20 बजे, मुरादाबाद से 19.30 बजे, बरेली से 21.02 बजे दूसरे दिन लखनऊ से 01.20 बजे, गोंडा से 04.20 बजे, गोरखपुर से 07.35 बजे, कप्तानगंज से 08.35 बजे, सिसवा बाजार से 09.15 बजे, बगहा से 10.37 बजे, हरिनगर से 11.07 बजे, नरकटियागंज से 11.35 बजे, सिकटा से 11.58 बजे, रक्सौल से 12.33 बजे तथा बैरगनिया से 13.32 बजे छूटकर सीतामढ़ी 15.00 बजे पहुँचेगी।

प्रशासन द्वारा बनाए गए हेल्प डेस्क सेंटर व ठहरने की व्यवस्था ,पीईटी अभ्यर्थियों के लिए मददगार साबित हुआ

भदोही: 06 व 07 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पी0ई0टी0)-2025 जनपद में सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश के क्रम में जनपद के 17 परीक्षा केदो पर विभिन्न जनपदो से आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या-8040 प्रति पाली एवं चारो पालियो में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 32160 है, परीक्षार्थियो की अधिक संख्या होने के कारण उनके सुचारू आवागमन,परीक्षा केंद्र तक पहुंचने, परीक्षा समाप्ति पश्चात घर जाने हेतु बस स्टेशन व रेलवे स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा के क्रम में प्रशासन द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर ₹हेल्प डेस्क₹ बनाए गए हैं, जहां पर परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु परीक्षा केंद्र का लोकेशन, दूरी इत्यादि जानकारी व सुविधा प्रदान की गई। उनके ठहरने के लिए भी विभिन्न स्थानों पर व्यवस्था की गई थी। यह पहल परीक्षार्थियों के लिए काफी मददगार साबित हुई। परीक्षार्थियों ने प्रशासन की

इस पहल की सराहना करते हुए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि किसी दूसरे शहर में ठहरने और परीक्षा केंद्र की दूरी, लोकेशन आदि की जानकारी की सुविधा मिल? जाने पर बहुत सुकून व महसूस होता है। जिससे परीक्षा हाल में आत्मविश्वास से हम लोग परीक्षा देते हैं, जिसका सकारात्मक असर परीक्षा रिजल्ट पर पड़ता है। अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए है हेल्प डेस्क स्थल- गोपीगंज में* गोपीगंज स्थित वाराणसी बस अड्डा, गोपीगंज स्थित प्रयागराज बस अड्डा ,ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन। इसके अतिरिक्त परीक्षार्थियों के ठहरने हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। नगर पालिका परिषद गोपीगंज द्वारा नवनिर्मित पूरे गुलाब में पानी की टंकी के पास स्थित रैन बसेरा,आदित्य लॉन गोपीगंज। ज्ञानपुर में दिव्या लॉन,ज्ञानपुर रैन बसेरा,चित्रांगना लॉन सनातन लॉन, बस स्टेशन ज्ञानपुर इन स्थानों पर परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। दोही कस्बे में* स्थित रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, स्टेशन रोड होटल ग्लोरी, होटल मेघदूत, होटल सेराज,होटल रेणुका, नगर पालिका भदोही रैन बसेरा आदि औराई में औराई बस स्टेशन, औराई चौराहा, माधोसिंह रेलवे स्टेशन, चित्रांश पैलेस औराई,चौधरी मैरिज लान घोसिया आदि परीक्षार्थियों की सेवा हेतु जनपद प्रशासन सदैव तत्पर है।

2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05325/05326 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर से 11 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर से 00.40 बजे, लखनऊ सिटी से 01.07 बजे, ऐशबाग से 01.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 03.55 बजे, उरई से 06.20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 09.20 बजे, बीना से 12.35 बजे, रानी कमलापति से 15.25 बजे, इटारसी से 17.10 बजे, खंडवा से 19.43 बजे, भुसावल से 21.45 बजे, दूसरे दिन नासिक रोड से 01.15 बजे, इगतपुरी से 02.30 बजे तथा कल्याण से 04.03 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 05.50 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05326 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 07.55 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 08.35 बजे, इगतपुरी से 10.55 बजे, नासिक रोड से 11.27 बजे, भुसावल से 15.35 बजे, खंडवा से 18.25 बजे, इटारसी से 21.10 बजे, रानी कमलापति से 23.25 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.30 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 03.40 बजे, उरई से 04.52 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.50 बजे, ऐशबाग से 09.30 बजे, लखनऊ सिटी से 09.52 बजे तथा बादशाहनगर से 10.10 बजे छूटकर गोमती नगर 10.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जी.एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर रेलवे सुरक्षा बल के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, गोरखपुर का निरीक्षण करते हुये

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 06 सितम्बर, 2025 को रेलवे

सुरक्षा बल के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, गोरखपुर का वृहद निरीक्षण किया। इस अवसर पर सुरक्षा बल के जवानों ने महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर को सलामी दी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद, मुख्य सुरक्षा आयुक्त-सह-प्रधानाचार्य, रेलवे सुरक्षा बल श्री अजीत कुमार बर्णवाल, उप प्रधानाचार्य, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र श्री नरेन्द्र कुमार तथा सुरक्षा विभाग, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी, निरीक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में शस्त्रागारों, आर्मर शॉप, बैरकों, मेस, प्रशिक्षण कक्षों तथा कार्यालय का गहन निरीक्षण किया एवं उनमें आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिये। निरीक्षण के उपरान्त महाप्रबन्धक ने उप प्रधानाचार्य कक्ष में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद, मुख्य सुरक्षा आयुक्त-सह-प्रधानाचार्य, रेलवे सुरक्षा बल श्री अजीत कुमार बर्णवाल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये रिफ्रेशर कोर्स एवं रिक्रूटमेंट सम्बन्धित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सुरक्षा बल के जवानों के लिये बैरक में आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने तथा प्रशिक्षण कक्षों को वातानुकूलित करने हेतु दिशा-निर्देश दिये। महाप्रबन्धक ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर निरन्तर सतर्क नजर रखें, जिससे रेल संचलन में किसी प्रकार का व्यवधान न हो। बैठक में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद ने सुरक्षा विभाग में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों, उपलब्धियों, ऑगेर्नाइजेशन चार्ट, प्रशिक्षण क्रियाकलापों एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से महाप्रबन्धक को अवगत कराया।

2025 तक 07 फेरों हेतु निम्नवत बढ़ाया जा रहा है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ पूजा पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए पूर्व से चलायी जा रही 06529/06530 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू-गोमतीनगर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू से 22 दिसम्बर, 2025 तक तथा गोमतीनगर से 26 दिसम्बर, 2025 तक 07 फेरों हेतु निम्नवत बढ़ाया जा रहा है। 06529 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू-गोमतीनगर साप्ताहिक विशेष गाड़ी 22 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू से 19.00 बजे प्रस्थान कर तुमकूर से 20.20 बजे, अरसीकेरे से 22.30 बजे, कडूर से 22.55 बजे, दूसरे दिन दावणगेरे से 00.25 बजे, हावेरि से 01.40 बजे, हुब्बल्लि जं. से 04.05 बजे, धारवाड़ से 04.30 बजे, बेलगावि से 06.45 बजे, घटप्रभा से 07.37 बजे, मिरज से 10.00 बजे, सांगली से 10.15 बजे, करड से 11.15 बजे, सतारा से 13.00 बजे, पुणे से 17.10 बजे, दौंड कॉर्ड लाइन से 18.25 बजे, तीसरे दिन मनमाड जं. से 01.15 बजे, भुसावल से 03.40 बजे, खंडवा से 06.05 बजे, रानी कमलापति से 10.00 बजे, बीना से 12.30 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 14.50 बजे, उरई से 16.12 बजे, पुखरायां से 17.02 बजे, गोविन्दपुरी से 18.45 बजे, प्रयागराज जं. से 22.00 बजे, ज्ञानपुर रोड से 23.48 बजे, चौथे दिन बनारस से 01.15 बजे, वाराणसी से 01.40 बजे, औंड़िहार से 02.15 बजे, मऊ जं. से 03.27 बजे, बेलथरा रोड से 04.10 बजे, भटनी से 04.42 बजे, देवरिया सदर से 05.10 बजे गोरखपुर से 06.50 बजे, बस्ती से 08.03 बजे तथा गोण्डा से 09.30 बजे छूटकर गोमतीनगर 11.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 06530 गोमतीनगर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरू ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 26 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को गोमतीनगर से 12.20 बजे, गोण्डा से 14.15 बजे, बस्ती से 15.40 बजे, गोरखपुर 17.00 बजे, देवरिया सदर से 18.00 बजे, भटनी से 18.22 बजे, बेलथरा रोड से 19.12 बजे, मऊ जं. से 20.02 बजे, औंड़िहार से 21.07 बजे, वाराणसी से 22.20 बजे, बनारस से 22.45 बजे, दूसरे दिन ज्ञानपुर रोड से 00.20 बजे, प्रयागराज जं. से 01.20 बजे, गोविन्दपुरी से 06.00 बजे, पुखरायां से 07.22 बजे, उरई से 08.05 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 10.10 बजे, बीना से 13.15 बजे, रानी कमलापति से 16.30 बजे, खंडवा से 20.50 बजे, भुसावल से 23.15 बजे, तीसरे दिन मनमाड जं. से 01.40 बजे, दौंड कॉर्ड लाइन से 06.20 बजे, पुणे से 08.50 बजे, सतारा से 11.30 बजे, करड से 12.30 बजे, सांगली से 13.30 बजे, मिरज से 16.15 बजे, घटप्रभा से 17.25 बजे, बेलगावि से 19.00 बजे, घारवाड़ से 21.22 बजे, हुब्बल्लि जं. से 22.50 बजे, हावेरि से 23.55 बजे, चौथे दिन दावणगेरे से 00.55 बजे, कडूर से 02.27 बजे, अरसीकेरे से 03.40 बजे तथा तुमकूर से 05.15 बजे छूटकर सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल,बेंगलूरू 08.15 बजे पहुँचेगी।

टैरिफ का असर...कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी परिवारों ने टाली खरीदारी; त्योहारी सीजन में बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने के बाद पैदा आर्थिक अनिश्चितता के कारण शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में अगस्त, 2025 में गिरावट आई है। इसका असर यह हुआ कि कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी इलाकों में रहने वाले परिवारों ने पिछले महीने खरीदारी टाल दी। अब जीएसटी 2.0 के 22 सितंबर, 2025 से लागू होने के बाद दैनिक इस्तेमाल के उत्पादों की कीमतों में कमी आने से त्योहारी सीजन में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। इससे सितंबर और उसके बाद के महीनों में शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में सुधार की उम्मीद है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरी परिवारों की भावनाएं प्रभावित होने के कारण उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक (आईसीई) अगस्त में 1.8 फीसदी घट गया। इसके साथ ही, पिछले दो महीनों (जून-जुलाई) की बनी बढ़त भी गायब हो गई।

गोरखी विद्यालय में स्टेशनरी वितरित

ग्वालियर। नगर निगम की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं पार्षद अनिल सांखला ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शासकीय गोरखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरित की। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, पार्षद जितेंद्र मुदगल, अमर कुटे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया। विद्यालय की प्राचार्य राजबाला माथुर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

क्षत्रिय मुक्तिधाम में वृहद पौधरोपण

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा अमृत हरित अभियान के तहत शुक्रवार को सभापति मनोज तोमर के नेतृत्व में गुढ़ा-गुढ़ी का नाका स्थित क्षत्रिय मुक्तिधाम में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण के बाद सभी पौधों को वायुदूत ऐप पर अपलोड किया गया। नागरिकों ने पौधों की देखरेख और संरक्षण का संकल्प लिया। श्री तोमर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति यदि एक पौधे की देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार होगा।

ग्वालियर की मानसी को एलएलएम में स्वर्ण पदक

ग्वालियर। ग्वालियर की मानसी शर्मा को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी विशाखापट्टनम में शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। मानसी ने एलएलएम में टॉप किया है। कार्यक्रम के अतिथि आंध्रप्रदेश तेलंगाना उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस दिलीप सिंह ठाकुर, सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सूर्यकान्त, जस्टिस जितेंद्र माहेश्वरी थे। मानसी ग्वालियर निवासी उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. वीके शर्मा की सुपुत्री हैं।

पेडेस्ट्रियन जोन को किया दुरुस्त

ग्वालियर। महाराज बाड़ा स्थित टाउन हॉल के सामने शुक्रवार को लगातार बारिश के चलते पेडेस्ट्रियन जोन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी मिलते ही जिलाधीश रुचिका चौहान और नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने तत्काल निगम और स्मार्ट सिटी अधिकारियों को दुरुस्ती कार्य के निर्देश दिए। जेसीबी और कंक्रीट की मदद से 24 घंटे में मरम्मत कर आवागमन सुचारू कर दिया गया। साथ ही पीएचई विभाग को क्षेत्र की पानी की लाइन की जांच करने के निर्देश दिए गए ताकि अंदरूनी लीकेज की वजह से भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। जिलाधीश ने अधिकारियों से क्षति के मूल कारण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

रतनगढ़ माता मंदिर मेले के लिए बैठक 9 को

ग्वालियर। आगामी शारदीय नवरात्रि और दीपावली दौज पर रतनगढ़ माता मंदिर परिसर में लगने वाले मेले की व्यवस्थाओं को लेकर 9 सितम्बर को अहम बैठक होगी। संभाग आयुक्त मनोज खत्री की अध्यक्षता में यह बैठक दोपहर 3 बजे रतनगढ़ मंदिर परिसर स्थित कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में ग्वालियर, दतिया और भिण्ड जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, वन मंडलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।

लायंस ने मनाया छठी उत्सव

ग्वालियर। लायंस क्लब आराध्या द्वारा शुक्रवार को राधा की छठी उत्सव एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर वृन्दावन की मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मीनाक्षी गोयल का जन्मदिन मनाया गया। आभार अंजू गर्ग ने व्यक्त किया। इस अवसर पर वंदना गुप्ता, नीलम अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, बिंदु, शैली, पूजा आदि उपस्थित रहे।

आज अपने धाम को पधारेंगे भगवान श्री गणेश, उत्सव का होगा समापन

कार्यालय में स्थापित श्री गणेश जी की आरती में शुक्रवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शामिल हुए।

ग्वालियर

पिछले दिनों से चले आ रहे गणेश उत्सव का समापन शनिवार को होने जा रहा है। इस दिन भगवान श्री गणेश अपने धाम को पधारेंगे। शहर में विराजित छोटी और बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन सागरताल के सामने बने विशाल गड्ढे में किया जाएगा। इस मौके पर हवन और भण्डारों का भी आयोजन होगा। इसी दिन अनंत और अनंती की पूजा की जाएगी। रविवार से श्राद्ध पक्ष शुरू हो जाएगा।

न्युओटेरिक गार्डन में मना गणेशोत्सव

झांसी लिंक रोड स्थित न्युओटेरिक गार्डन सिटी के रहवासियों द्वारा टाउनशिप का पहला पांच दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूम-धाम से मनाया गया। सभी रहवासियों ने शपथ ली कि हम यह पर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) मिशन के अनुरुप मनाएंगे और समाज को जागरुक भी करेंगें। इस मौके पर सजावट के लिए भी अधिकांश सामान फूल, पत्तों तथा पुनः प्रयोग के लायक सामग्री से किया गया। बच्चों के लिए विविध प्रतियोगिताएं भी हुईं। बच्चों को पुस्तक, पेन, कपड़े के थैले देकर पुरुस्कृत किया गया। उत्सव के दौरान जाम्बिया के विदेशी मेहमानों ने भी हाजिरी लगाई तथा इसे सराहा।

सरस्वती संघ में मना गणेशोत्सव, हुईं प्रतियोगिताएं

सरस्वती संघ संस्था में श्रीजी की स्थापना के साथ गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। 8 दिवसीय समारोह में प्रतिदिन सभी सदस्यों ने निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित होकर इन्द्रधनुषी रंगों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस दौरान वाद-विवाद, अंताक्षरी और व्यंजन आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक के रूप में मनीषा इंदापुरकर, रश्मि सिंह कुशवाह, सागर मुजुमदार एवं स्वाति परमार रहीं। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिभा भागवत एवं सचिव आशा बैजल आदि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के विजेता

▸▸ गणपति सजाओ में प्रथम वृषाली चिटनीस, द्वितीय प्राची खेड़कर और तृतीय आभा दाणेकर रहीं।

▸▸ वाद विवाद में प्रथम आशा बैजल और प्राची खेड़कर द्वितीय श्रुति घाटगे और मीनल भागवत रहीं।

▸▸ व्यंजन में प्रथम आभा दाणेकर और प्रेरणा गुप्ता, द्वितीय प्राजक्ता दांते, आभा दाणेकर, तृतीय प्राजक्ता दांते और संजोत दांते रहीं।

▸▸ अंताक्षरी में प्रथम मृणालिनी, संगीता, शीला, वृंदा और द्वितीय प्रतिभा, संजोत, शालिनी, सुशीला रहीं।

▸▸ प्रश्न मंच में प्रथम अनिता, वृंदा, मीनल, आभा, लता, शालिनी और द्वितीय शीला, आरती, श्रुति, मेघा, वर्षा, प्राजक्ता रहीं।

▸▸ वन मिनीट गेम्स में प्रथम आशा बैजल, प्राची खेड़कर, रानी कालरा, लता सक्सेना, गीतांजलि, छाया देवले द्वितीय स्थान पर श्रुति घाटगे, संगीता गोठनकर, प्रेरणा गुप्ता, प्राजक्ता दाते, वृंदा पराडकर, अर्चना दीक्षित और तृतीय प्राची खेड़कर, संजोत दाते, आरती दाते व अर्चना दीक्षित रहीं।

▸▸ चेयर रेस में प्रथम मीनल भागवत, द्वितीय लता सक्सेना और तृतीय प्राची खेड़कर रहीं।

सर्वेश्वरी भगवती श्री राधारानी का छठी महोत्सव मना

ग्वालियर

श्री सनातन धर्म मंदिर में शुक्रवार को सर्वेश्वरी भगवती श्री राधा जी का छठी महोत्सव श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। भगवताचार्य पंडित सतीश कौशिक ने भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद बरसाने में धूम मची भारी आयो है जन्मदिन राधे को, श्यामा लाडली रख लो हमको चरणों में, सारी दुनिया है दीवानी राधा रानी आपकी इक कोर कृपा की कर दो लाडली भजन प्रस्तुत किए। पुजारी पंडित रमाकांत शास्त्री ने भगवान चक्रधर का रासेश्वरी श्री राधा रानी के रूप में आकर्षक श्रृंगार किया। भगवान चक्रधर को ब्रज परंपरानुसार 56 कली का लहंगा एवं फरिया, माथे पर बेंदा, मुख पर सुंदर पत्रावली, नेत्रों में काजल, गले में कण्ठा, नासिका में बड़ी नथ, मोतियों के सुंदर हार, गेंदा, कमल पुष्प से श्रृंगार किया।

अचलेश्वर मंदिर पर आधुनिक रसोई का शुभारंभ

श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास द्वारा स्थापित आधुनिक रसोई का उद्घाटन ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने किया। यहां स्व चालित मशीनें लगाई गई हैं जिससे दैनिक भण्डारे की प्रसादी बनाई जाएगी।

अनंत चतुर्दशी रवि योग में मनेगी

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 6 सितंबर पर अनंत चतुर्दशी मनाई जाएगी। अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत रूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी।

रामलीला श्रीराम का चरित्र जन-जन तक पहुंचाती है

श्री रामलीला समारोह समिति द्वारा 22 सितम्बर से फूलबाग पर होने वाली रामलीला के लिए शुक्रवार को बरसते पानी में भूमिपूजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर थे। उन्होंने मंत्रोच्चार और कुदाल से गड्ढा खोदकर भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम जन जन के कण-कण में बसे हैं। रामलीला श्रीराम का चरित्र जन-जन तक पहुंचाने का काम करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आईटीएम विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर दौलत सिंह ने कहा कि लगभग 5000 ई.पूर्व भगवान बाल्मीक द्वारा रचित रामायण का चिंतन-पाठन सभी जन मानस को करना चाहिए। भूमिपूजन केदारपुर के आचार्य संजीव शास्त्री द्वारा कराया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विष्णु गर्ग, स्वागत अध्यक्ष राधेश्याम भाकर, कार्यक्रम संयोजक रमेश अग्रवाल, महासचिव विजय गोयल, सत्य कुमार मिश्रा, विजय गर्ग, रमेश चौरसिया, राजकुमार गुप्ता, रामवरन सिंह गुर्जर, सुरेश बंसल, गिर्राज अग्रवाल, रामनारायण मिश्रा, गुड्डू वारसी, किशन मुदगल, हेमंत गुप्ता, अशोक गोयल, सुधीर गुप्ता, संजय कट्ठल, ऊषा चौहान, आशीष राठौड़, रामनारायण मिश्रा, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ने किया पेंशनरों का सम्मान

ग्वालियर। म.प्र. विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन के रजत जयंती समारोह के द्वितीय सत्र में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने 75 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों का सम्मान किया। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत मंडल पेंशनरों की स्मारिका 'तरंग' का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार रहीं। अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष एसके जायसवाल ने की। श्री जायसवाल ने विद्युत मंडल पेंशनरों की मांगों से ऊर्जा मंत्री को अवगत कराया। ऊर्जा मंत्री ने एसोसिएशन के 25 साल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए विद्युत मंडल पेंशनरों की मांगों का शीघ्र निराकरण कराने का आश्वासन दिया। अंत में कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश शर्मा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जेपी नामदेव, आईएम कुरैशी, मदनलाल गुप्ता, अनिरुद्ध सेन, एसके खत्री, एनआर अतरौलिया, एसएल शाक्य सहित अन्य पेंशनर उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स सीख रहे हैं अनुशासन

ग्वालियर, । एनसीसी ग्रुप मुख्यालय में दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 400 से अधिक कैडेट्स भाग ले रहे हैं। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर कैडेट्स परेड, फ्लैग एरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में दिन-रात जुटे हुए हैं। कैम्प कमांडेंट कर्नल समित दुआ के नेतृत्व में परेड अभ्यास में कैडेट्स अनुशासन और जोश का अनूठा संगम पेश कर रहे हैं। सुबह पीटी रिहर्सल से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बार ग्रुप डांस की थीम विकसित भारत मिशन 2047 और ग्रुप सॉन्ग की थीम महिला सशक्तिकरण रहेगी। साथ ही बैलेट एक्ट, फ्लैग एरिया और सबश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। कर्नल दुआ ने बताया कि कैडेट्स का समर्पण और मेहनत दर्शाता है कि इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह विशेष होगा। भोपाल में आयोजित चयन प्रक्रिया के बाद ग्वालियर से तीन गर्ल्स कैडेट्स मुस्कान नामदेव, पूजा तोमर और जूनियर विंग से सांची चहल का चयन हुआ है। ये कैडेट्स दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

प्रथम नियुक्ति से पुरानी पेंशन के लिए किया सामूहिक उपवास

ग्वालियर। नेशनल मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु एवं प्रांताध्यक्ष परमानंद डेहरिया के आह्वान पर शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक मोतीमहल परिसर में सामूहिक उपवास रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव ने की। मुख्य अतिथि संभागीय संयोजक निरंजन सिंह गुर्जर थे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव ने कहा कि मध्यप्रदेश में अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों की नियुक्ति वर्ष 1997 से 2006 तक की गई थी। लेकिन आईएफएमएस पोर्टल पर प्रथम नियुक्ति 1 जुलाई 2018 कर दी गई है। इसलिए सभी अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में दर्ज प्रथम नियुक्ति आईएफएमएस पोर्टल पर दर्ज की जाए। मध्यप्रदेश में 2005 से पूर्व नियुक्त सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने एवं सम्पूर्ण भारत में एनपीएस और यूपीएस जैसी अहितकारी पेंशन योजनाओं को बंद कर पुनः पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की मांग शामिल हैं। उपवास में राजेंद्र सिंह, सुरेंद्र पिप्पल, प्रदीप यादव, अमन शर्मा, सचिव मनोज बरैया, ओपी सिंह, मानवेंद्र सिंह, डॉ. कुंअर राज कटारे, सुरेंद्र गौतम, होतम सिंह माथुर आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने घर-घर जाकर सुनीं समस्याएं

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत वार्ड-36 में घर-घर जाकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर उन्होंने 47 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन भी किया। भूमि पूजन किए गए कार्यों में न्यू शांति नगर पार्क का जीर्णोद्धार, गेंडे वाली सड़क बकरा मंडी और पीएचई कार्यालय के पास सामुदायिक भवनों का निर्माण, सीसी रोड निर्माण सहित कई विकास योजनाएं शामिल हैं। मंत्री ने बताया कि यह पदयात्रा हर वार्ड में दो चरणों में होगी, ताकि कोई भी घर छूट न जाए।

टमटम में सवार महिला का पर्स चोरी

ग्वालियर

शातिर चोरों ने टमटम में सवार महिला का पर्स चोरी कर लिया। पर्स में 1 लाख रुपए के गहने रखे हुए थे। गहने से भरा पर्स चोरी होने का पता चलने पर पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पड़ताल के बाद आरोपियों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

पर्स में 1 लाख रुपए के गहने रखे थे

वारदात महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम में 26 अगस्त की है और पुलिस ने इस मामले में पूरे 10 दिन बाद मामला कायम कर अपनी फुर्ती का परिचय दिया है। किरन शर्मा पत्नी प्रमोद शर्मा निवासी रामनगर मुरैना 26 अगस्त को किसी काम से ग्वालियर आई थीं। महिला शताब्दीपुरम जाने के लिए यादव धर्मकांटा से टमटम में सवार हुई थी। किरन के उस समय होश उड़ गए जब सोने के गहनों से भरा पर्स गायब हो गया। शातिर चोर ने मौका मिलते ही महिला का पर्स चोरी कर लिया। पर्स चोरी होने का पता चलने पर महिला ने टमटम को रोका और अपने स्तर पर चोर की तलाश की, लेकिन उसे पर्स नहीं मिला। बताया गया है कि पर्स में लगभग एक लाख रुपए के गहने रखे हुए थे। पीड़िता महाराजपुरा थाने पहुंची और आपबीती पुलिस को सुनाई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धारा 303(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

किशनबाग में घर से गहने ले गए चोर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में चोरों ने उस समय घर से नकदी गहने चोरी कर लिए जब परिवार नींद के आगोश में था। जगार होने पर चोरी का पता चलने पर चोरी का पता चलने पर पुलिस को सूचना दी। किशनबाग बिजलीघर के पीछे रहने वाले सुहेल अली पुत्र साबिर अली ने बीते कल खाना खाया और अपने परिजनों के साथ आराम कर रहे थे। देर रात चोरों ने दबे पांव घर में खिड़की के सहारे सेंधमारी की और फिर उनके हाथ जो लगा वह समेटकर अपने साथ ले गए। चोर सुहेल अली के कमरे में रखी अलमारी से सोने चांदी के गहने ले गए। चोरी गए माल की कीमत तीन लाख रुपए बताई गई है। चोरी का पता चलने पर सुहेल ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पर्युषण पर्व पर जल यात्रा आज

ग्वालियर। जैन धर्म के पर्युषण पर्व के अंतिम दिन शनिवार को अनंत चतुर्दशी पर जैन मंदिर में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की विशेष पूजा की जाएगी और दोपहर को जल यात्रा निकलेगी। श्री दिगंबर जैन वरैया पंचायती बड़ा मंदिर मामा का बाजार में सुबह 6.30 बजे श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा होगी उसके बाद उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा की जाएगी। जैन समाज द्वारा दोपहर 2.30 बजे से गाजे बाजे के साथ मंदिर से जल यात्रा निकलेगी। जल यात्रा हैदरगंज से गुर्जर साहब का तिराहा से हेम सिंह की परेड होते हुए ऋषभ धर्मशाला आएगी, जहां श्रीजी के अभिषेक होंगे। वहीं 8 सितंबर सोमवार को दोपहर 2 बजे मंदिर से रजत पालकी में श्रीजी को विराजमान कर पालकी निकाली जाएगी। शाम को ऋषभ धर्मशाला में श्रीजी के अभिषेक होंगे और वात्सल्य भोज होगा। मंदिर कमेटी के अनंत कुमार जैन, आरसी जैन, नंद कुमार जैन, बसंत जैन, सुरेश जैन, डीके जैन, महेन्द्र जैन, दिनेश जैन, प्रदीप जैन, राजकुमार जैन ने समाज बंधुओं से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

कैडबरी चॉकलेट की फ्रेंचाइजी के बहाने ठगी करने वाले पकड़े

ग्वालियर

राज्य सायबर पुलिस ने कैडबरी चॉकलेट की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 5.70 लाख की ठगी करने वाले दो मास्टरमाइंड आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। पकड़े गए दोनों ठग काफी शातिर हैं और बिहार से आकर हरियाणा में कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे।

उप पुलिस अधीक्षक राज्य सायबर संजीवनयन शर्मा ने बताया कि प्रदीप सेन ने शिकायत की थी कि कैडबरी चॉकलेट की फ्रेंचाइजी के नाम पर 5 लाख 70 हजार रुपए की ठगी की शिकायत की थी। राज्य सायबर पुलिस की टीम शिकायत के बाद ही ठगों की तलाश में जुटी हुई थी। पड़ताल के दौरान पता चला कि ठग अलग-अलग राज्यों से फोन करते थे। साथ ही वह ठगी का पैसा भी अलग -अलग राज्यों से निकालते थे। ठगों का पता लगाने के लिए तकनीकी सहारा लिया गया और राज्य सायबर पुलिस दोनों ठगों के पास तक पहुंच गई। पुलिस ने दीपक कुमार 31 वर्ष निवासी गया और मनीष गुप्ता निवासी छपरा को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान दीपक व मनीष ने बताया कि वह सोनीपत में कॉल सेंटर संचालित करते थे। जहां पर अलग- अलग राज्यों से नौकरी के नाम पर युवकों को बुलाया था और उनको लालच दिया था कि उनको सोनीपत की कम्पनी में नौकरी लगवा देंगे। नौकरी के बहाने सभी युवकों से आधार कार्ड, बैंक खाते और पेन कार्ड ले लिए थे। दस्तावेजों से फर्जीवाड़ा करने वाले दीपक व मनीष ने फर्जी नम्बर लिंक करा लिए थे। दोनों ठग फर्जी सिमों के माध्यम से फेंचाइजी के नाम पर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। जैसे ही ठगों के खाते में पैसा आता था, उनकी टीम बिहार के अलग -अलग जिलों में जाकर पैसा निकाल लेते थे। ठगी करने वाले दोनों मास्टरमाइंड युवकों को प्रतिशत के हिसाब से रुपए बांटते थे। राज्य सायबर पुलिस पकड़े गए मनीष व दीपक से ठगी की अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है।

बिहार में ली थी ट्रेनिंग, गूगल से चुराते थे लोगों का डाटा

मनीष गुप्ता व दीपक कुमार ने कॉल सेंटर चलाने की ट्रेनिंग बिहार में ली थी। ठगों ने हरियाणा, उत्तरप्रदेश और बिहार में फर्जी खाते व सिम उपलब्ध कराने वाले दलालों का जाल फैला रखा था। ठग भी अपने कॉल सेंटर पर काम करने वालों को देते थे ट्रेनिंग। गूगल से चुराते थे लोगों का डाटा, जो भी लोग फ्रेंचाइजी लेने के लिए गूगल पर सर्च करता था उसके बाद ठग गूगल से डाटा कैप्चर कर लेते थे।

ठगों से बचने के उपाय

▸▸ टेलीग्राम व व्हाट्सअप पर किसी भी अनजान, ग्रुप या चैनल से न जुड़ें, न ही किसी भी दिए लिंक पर क्लिक करें।

▸▸ क्रिप्टों करेंसी निवेश पर अत्याधिक लाभ, शोपिंग या जॉब के लालच में फीस, रजिस्ट्रेशन, एडवांस ट्रेनिंग मनी आदि के नाम पर किसी भी खाते में पैसा जमा न करें।

▸▸ सायबर संबंधी अपराध की शिकायत साइबर ऑनलाइन पोर्टल और हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर आवश्यक रूप से करें।

सम्पादकीय

शांति की ओर मणिपुर

निस्संदेह, पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज-सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी-जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी-जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए। निस्संदेह, मणिपुरियों ने पहले ही इस राहत के लिये बहुत लंबा इंतजार किया है। यह अच्छी बात है कि कूकी-जो काउंसिल ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का फैसला लिया है। यह राजमार्ग मणिपुर से होकर गुजरता है। निस्संदेह, इस कदम से जहां राज्य में जीवन की जरूरी चीजों की आपूर्ति सरल होगी, वहीं विस्थापित परिवारों और राहत शिविरों में हालात के चलते रह रहे नागरिकों की मुश्किलें कम हो सकेंगी। वहीं पिछले कुछ महीनों से राज्य में जारी शांति की स्थिति को स्थायी बनाने की दिशा में शासन-प्रशासन की ओर से गंभीर प्रयासों की जरूरत है। सुखद यह भी है कि समझौते में कूकी संगठनों ने अपने शिविरों की संख्या कम करने तथा हथियारों को निकटवर्ती बीएसएफ और सीआरपीएफ शिविरों में पहुंचाने पर भी सहमति जतायी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि समझौते के मुद्दों पर सतर्क निगरानी के साथ राज्य में स्थायी शांति का वातावरण बन सकेगा।

भारत के प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और विपक्ष कर रहा अपमान

बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं। यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए। राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं। वोटर अधिकार यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता और अभद्रता के प्रदर्शन के कारण ही चर्चा में रही। जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है, उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी -तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नही छोड़ा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा। बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे, उससे भी आश्चर्यजनक बात यह रही कि राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ता की उस शर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी बल्कि अलग अलग तरह से उसका बचाव किया। वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा हो रही है। जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उनके चेहरे पर हवाईयां उड़ती दिख रही हैं। पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए इसे केवल अपनी मां का नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया। प्रधानमंत्री मोदी का यह भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखों में अश्रु आ गए। बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे लेकर सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया है। राजग गठबंधन की ओर से आयेजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं। इतिहास साक्षी है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे गए हैं या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हें अपशब्द कहने की होड़ लगी है। आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी, रावण, भस्मासुर और वायरस तक कहा जा चुका है। दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि, यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी बोटी बोटी काटने की बात कही थी। बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी। सोनिया और राहुल सहित कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी अपमानजनक टिप्पणी कांग्रेस को हमेशा नुकसान पहुंचाती है लेकिन यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व आक्रोष व्याप्त हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होगा। बिहार की राजनीति में मातृशक्ति निर्णायक मतदाता है और नीतिश कुमार की सरकार में नारी शक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं। उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा। मां के प्रति अपमानजनक शब्द सुनकर प्रधानमंत्री मोदी का भावुक होना स्वाभाविक है। उनकी मां तीन वर्ष पूर्व नश्वर देह त्याग चुकी हैं, वे कभी राजनीति में भी नहीं रहीं ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार नहीं करेगा। यदि जिस दिन यह दुखद घटना घटी उसी दिन राहुल और तेजस्वी उसकी कड़ी निंदा कर माफी मांग लेते तो बात इतनी आगे नहीं बढ़ती। राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अपने छुटभैये मुस्लिम नेता से प्रधानमंत्री और उनकी माँ को अपमानित कराकर ऐसा सेल्फ गोल किया है जिसकी भरपाई असंभव है।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण विवाद और बढ़ गया

नोरा चोपड़ा

मराठा आरक्षण विवाद ओ.बी.सी. नेताओं द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की धमकी के साथ और बढ़ गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.)के वरिष्ठ नेता और मंत्री छगन भुजबल राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल नहीं हुए और घोषणा की कि वह पात्र मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ अदालत का रुख करेंगे। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार को मांग की कि राज्य कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की तर्ज पर ओ.बी.सी. आरक्षण कोटा 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करें। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का यही एकमात्र तरीका है। हालांकि, कार्यकर्त्ता मनोज जरांगे पाटिल ने मुंबई में 5 दिनों तक भूख हड़ताल की, जिसे राज्य सरकार द्वारा उनकी 8 में से 6 मांगें मान लेने के बाद समाप्त किया गया। सरकार ने पात्र मराठों को कुनबी (ओ.बी.सी.) जाति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में एक सरकारी आदेश भी जारी किया। टी.टी.वी. दिनाकरन पन्नीरसेल्वम के नक्शेकदम पर रू एडप्पादी पलानीस्वामी (ई.पी.एस.) के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडगम (ए.आई.ए.डी.एम.के.) की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.)में वापसी और राज्य भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन के साथ, अम्मा मक्कल मुनेत्र कडगम (ए.एम.एम.के.) के नेता टी.टी.वी. दिनाकरन बुधवार को ओ. पन्नीरसेल्वम (ओ.पी.एस.) के नक्शेकदम पर चलते हुए, तमिलनाडु में एन.डी.ए. गठबंधन से बाहर चले गए। उनके बाहर निकलने से सवाल उठे हैं कि क्या पलानीस्वामी चुनावों में डी.एम.के. से लडने को लेकर गंभीर थे या केवल ए.आई.ए.डी.एम.के. में अपना वर्चस्व सुनिश्चित करने में रुचि रखते थे। यह एक खुला रहस्य है कि पलानीस्वामी ओ.पी.एस. और टी.टी.वी. के एन.डी.ए. का हिस्सा होने का विरोध कर रहे हैं, खासकर ऐसे समय में जब ए.आई.ए.डी.एम.के. के एकीकरण की आवाजें तेज हो रही हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा कि विजयकांत ने 2006 में प्रभाव डाला था, 2026 में भी ऐसा प्रभाव पडने की संभावना है। जब विजयकांत राजनीति में आए तो सभी पाष्टयां प्रभावित हुईं और आगे भी ऐसा ही प्रभाव पड़ेगा।बिहार में जद-यू 50-50 के फामूर्ले पर जोर दे रही रू बिहार में जैसे-जैसे उच्च दांव वाली लड़ाई करीब आ रही है, केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के प्रमुख चुनावी रणनीतिकार अमित शाह रणनीति बनाने के लिए पार्टी की राज्य इकाई के साथ बैठक कर रहे हैं। शाह ने कोर कमेटी के नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और विनोद तावड़े शामिल थे। टिकट बंटवारे पर चर्चा तो हुई लेकिन कुछ भी अंतिम रूप नहीं दिया जा सका क्योंकि कुछ सीटों का बंटवारा एन.डी.ए. के सहयोगियों के बीच हो सकता है। दूसरी ओर ह्यहम (सैक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने सार्वजनिक रूप से कम से कम 20 सीटों पर दावा पेश किया और एन.डी.ए. नेताओं को उनकी पार्टी के प्रति सहानुभूति दिखाने की आवश्यकता पर बल दिया। ह्यहम को मुख्य रूप से मध्य बिहार के जिलों में मुसहर जाति के दलितों से ताकत मिलती है। चिराग पासवान की पार्टी ने लोकसभा चुनावों में सभी 5 सीटें जीतकर 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट हासिल किया था लेकिन अब उसने लगभग 30 से 35 सीटों की मांग की है। लोजपा (आर.वी.) मुख्य रूप से दलितों के बीच पासवानों की पार्टी के रूप में जानी जाती है। इस बीच, बिहार में भाजपा द्वारा बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश उसके इस आकलन पर आधारित है कि मुस्लिम, अति पिछड़े और महादलितों के बीच जद-यू का वोट बैंक उसकी संगठनात्मक ताकत के साथ-साथ कम होता जा रहा है। एन.डी.ए. सूत्रों के अनुसार, जद-यू 50-50 के फॉमूर्ले पर जोर दे रही है। तेजस्वी ने भी दांव खेला रू इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में राजनीतिक हलचल बढ़ रही है। राजनीतिक दल कल्याणकारी वादों के साथ महिला मतदाताओं तक सक्रिय रूप से पहुंच रहे हैं। नीतीश कुमार सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, योग्य महिलाओं को आय सृजन में सहायता के लिए 10,000 रुपए प्रदान करती है साथ ही राज्य सरकार की नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षित सीटों की घोषणा भी की गई है। सरकार ने महिलाओं के लिए पैंशन योजना भी शुरू की है। वहीं मुख्य विपक्षी दल राजद ने भी दांव खेला है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक देने वाली ह्यमाई-बहन योजना, विधवा माताओं और बहनों की पैंशन बढ़ाकर 1,500 रुपए करने, हर रसोई में 500 रुपए में सबसिडी वाले गैस सिलैंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और बेटियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय कोचिंग संस्थान, विश्व स्तरीय खेल प्रशिक्षण और नौकरी के अवसर, मुफ्त परीक्षा फार्म और यात्रा सुविधाओं सहित कई योजनाओं का वादा किया। राहुल गांधी ने कहा-वोट चोरी केवल सत्ता हथियाने का एक साधन रू कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा को जल्द ही एक बड़े वोट चोरी के खुलासे की धमकी दी। महागठबंधन के नेता खुली एस.यू.वी. में यात्रा कर रहे थे और लोग सड़कों पर खड़े होकर झंडे लहरा रहे थे और उनका उत्साहवर्धन कर रहे थे। सैंकड़ों युवा सैल्फी लेते देखे गए।

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निमार्ता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज,

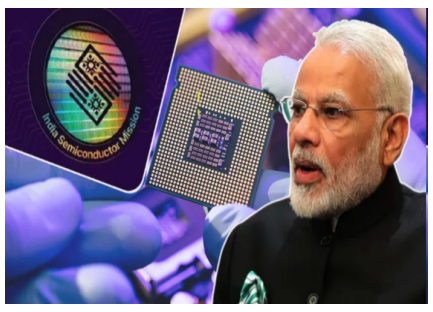

रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तककृहर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए ह्यडिजिटल इंडिया, ह्यमेक इन इंडिया और ह्यस्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया। कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई।

अमरीका: भारत को मत गंवाओ

शशि थरूर

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध और 1950 के शुरूआती वर्षों में, संयुक्त राज्य अमरीका ह्यहू लॉस्ट चाइना बहस से घिरा हुआ था। अक्तूबर 1949 में चीन पर कम्युनिस्टों के कब्जे के बाद अमरीकी विदेश नीति प्रतिष्ठान में एक राजनीतिक हड़कम्प मच गया,जब माओ त्से तुंग के नेतृत्व में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की घोषणा हुई, जिससे कुओमिन्तांग राष्ट्रवादियों की हार हुई, जिनका नेतृत्व च्यांग काई-शेक कर रहे थे और जो ताइवान चले गए। कई दशकों तक यह एक नीति आपदा और शुरूआती शीत युद्ध में एक बड़ा झटका था क्योंकि वाशिंगटन ने साम्यवाद को रोकने की कसम खाई थी। आज, 75 साल बाद,नई दिल्ली खुद को चीन और रूस की गोद में पाती है और अमरीका से दूर हो रही है। अमरीकी ह्यहू लॉस्ट इंडिया बहस में शामिल होने से पहले यह देखना चाहिए कि यह अभी टाला जा सकता है। दोनों देशों के बीच जो हो रहा है, वह अक्षम्य है अमरीका-भारत संबंध जो विश्व के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में से एक है, गलत दिशा में जा रहा है। फिर भी 7 दशकों में, वाशिंगटन और नई दिल्ली ने आपसी सम्मान और सांझा हितों की नींव पर संबंधों का निर्माण किया है। फिर भी, आज ट्रम्प की दंडात्मक टैरिफ की लहर के भार तले और परिणामी कूटनीतिक तनाव के कारण यह नींव दरक रही है। भारत जो दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाए जाने वाले देशों में से है (औसतन लगभग 50 प्रतिशत, जबकि चीन का लगभग 20 प्रतिशत है) अमरीका में अन्य प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपने सामान को बाजार में लाने में कठिनाई महसूस करता है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय निर्यातक, विशेषकर मॉस्को और बीजिंग की ओर देख रहे हैं। गहरी अविश्वास और अमरीकी व्यापार नीति के बारे में कड़वाहट ने हाल ही में घोषित ह्यइंडो-यू.एस. संबंध को पिछले चौथाई सदी में परिभाषित किया है। लेकिन यह केवल व्यापारिक सांझेदारी नहीं है, अगर वाशिंगटन यही चाहता है। यह अमरीका के लिए समय है कि वह भारत को रणनीतिक सांझेदार के रूप में स्वीकार करे न कि केवल एक व्यापारिक प्रतिस्पर्धी के रूप में। 26 अगस्त तक, भारत का अमरीका को निर्यात 46.4 बिलियन तक बढ़ गया था जबकि अमरीका से आयातित सामान $57 बिलियन तक था। अमरीका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार है। प्रमुख निर्यात में कपड़े, चमड़ा, समुद्री भोजन और इंजीनियरिंग वस्तुएं (जैसे हीरे और फार्मास्यूटिकल्स) शामिल हैं। इसके बदले भारत अमरीका से तेल और लगातार बढ़ते हुए रक्षा उपकरण खरीदता है। वाशिंगटन की जलवायु परिवर्तन फंड्स में रूस की युद्ध संचालित बाधा ने केवल अमरीका से भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए तेल खरीदने की बाध्यता को और बढ़ा दिया है। भारत अमरीका से लगभग $67 बिलियन का सामान निर्यात करता है लेकिन टैरिफ से बहुत बड़ी मात्रा में प्रभावित होता है। लेकिन ये टैरिफ केवल आध्यक दंड नहीं हैं, ये राजनीतिक संकेत हैं। और इन्हें नई दिल्ली में जोर-शोर से पढ़ा और सुना जा रहा है। रणनीतिक स्वायत्तता को दंडित किया जा रहा है न कि (जैसा कि पहले सम्मानित किया जाता था) आदर किया जा रहा है। परिणाम गंभीर हैं। भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धात्मकता खो रहे हैं (जैसे त्रिपुर, सूरत और विशाखापट्टनम में)। अमरीकी खरीदार जो पहले वियतनाम, इक्वाडोर, थाईलैंड और तुर्की से आपूर्ति लेने लगे थे अब भारतीय आपूर्ति पर दबाव डाल रहे हैं। निवेशक विश्वास कमजोर हुआ है। भारतीय उपभोक्ताओं को उच्च कीमतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि आयातित कंटेनर देर से आते हैं और लागत बढ़ गई है। सूरत के आभूषण निमार्ता और विशाखापट्टनम के स्टील निमार्ता नौकरियां खो रहे हैं। यह नुकसान लंबे समय तक झेलना होगा। जितना यह चलता रहेगा, उतना ही भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता खतरे में होगी। आर्थिक मुद्दे से परे व्यापार युद्ध अमरीका-भारत रणनीतिक संबंध को भी खतरे में डालता है। एक ऐसा संबंध जिसमें प्रमुख रक्षा सहयोग, सह-विकास और सह-उत्पादन व्यवस्थाएं और हाल ही में हस्ताक्षरित ह्यमेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क शामिल है। इसके अलावा इस साल भारत की मेजबानी में होने वाला ह्यक्वाड शिखर सम्मेलन अस्थिर हो सकता है। नई दिल्ली को अलग-थलग करना भारत को अमरीका के विरोधियों (जैसे चीन और रूस) के करीब धकेलना, क्षेत्रीय सुरक्षा को अस्थिर करना और वैश्विक स्थिरता को हिला देना है।अमरीका को यह पहचानना होगा कि रणनीतिक स्वायत्तता अवज्ञा नहीं है-यह संप्रभुता है। भारत को ऊर्जा विकल्पों या रक्षा खरीद के निर्णयों के लिए दंडित करना, जिन्हें हर देश केवल अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर ही ले सकता है, अल्पदृष्टि और प्रतिकूल है।

'टेस्ट हमेशा मेरी प्राथमिकता में है', टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास के बाद स्टार्क का आया बयान

सिडनी (एजेंसी)। स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले ही इस प्रारूप को छोड़ दिया है, लेकिन उनकी नजरें एशेज सीरीज और 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप पर लगी हुई हैं। स्टार्क ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप का पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट खेलने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। स्टार्क का कहना है कि वह लाल गेंद के प्रारूप में सफलता हासिल करने के लिए अपने शरीर का भरपूर इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेते हुए बताया था कि वह टेस्ट और वनडे प्रारूप में अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए खेल का सबसे छोटा प्रारूप छोड़ रहे हैं। 2021 टी20 विश्व कप में निभाई थी अहम भूमिका स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले ही इस प्रारूप को छोड़ दिया है, लेकिन उनकी नजरें एशेज सीरीज और 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप पर लगी हुई हैं।

मां के साथ मौनी रॉय का ओणम सेलिब्रेशन

व्हाइट साड़ी में अप्सरा सी लगीं खूबसूरत

पूरे देश में 5 सिंतबर को ओणम का त्योहार बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट किया गया। एक्ट्रेस मौनी रॉय ने भी मां के साथ ओणम का जश्न मनाया जिसकी झलक एक्ट्रेस ने अब फैंस के साथ भी शेयर की। तस्वीरों में एक्ट्रेस ट्रेडिशनल लुक में दिखी। इस दौरान मां-बेटी की जोड़ी व्हाइट और गोल्डन साड़ी में ट्विनिंग किए हुए नजर आई। मौनी ने अपनी व्हाइट साड़ी को ग्रे शेड के स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया है जिसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है।लाइट मेकअप, हैवी झुमकों, बालों में का बन और उसपर गजरा लगाकर मौनी ने लुक को पूरा किया। एक फोटो में मौनी अपने लजीज खाने की लुत्फ उठाती हुई भी नजर आई। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा-श्सभी को ओणम की बधाई.. वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार संजय दत्त के साथ फिल्म द भूतनी में नजर आई थी।

पापा के बर्थडे पर ऋतिक रोशन ने लुटाया प्यार, पोस्ट शेयर कर लिखा-गर्व है मैं आपका बेटा हूं

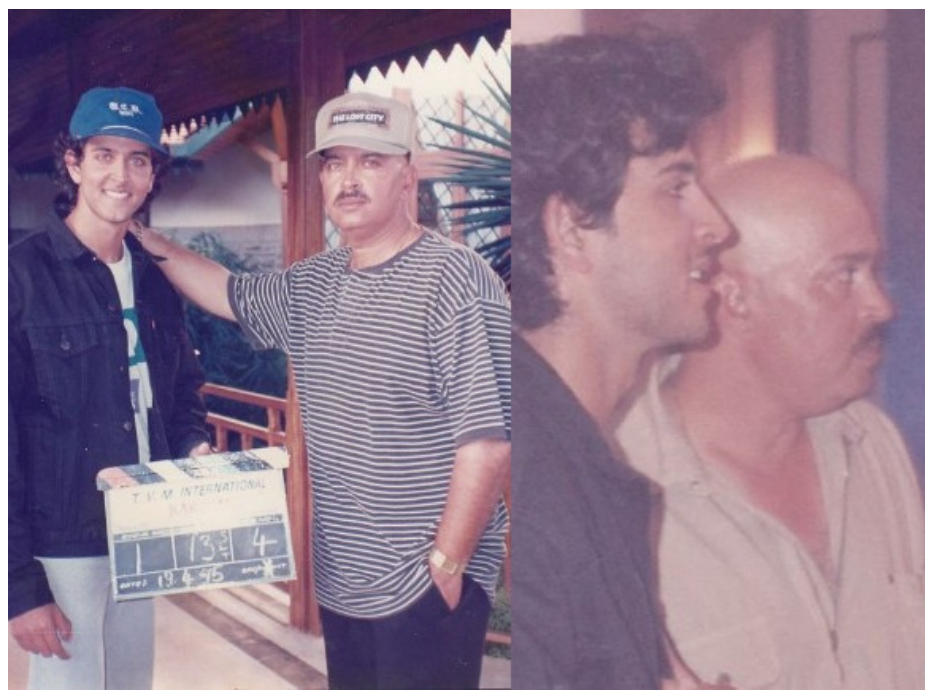

बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर राकेश रोशन आज 6 सितंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 76 साल के फिल्ममेकर ने एक एक्टर और फिर डायरेक्टर के तौर पर इंडस्ट्री में एक लंबी पारी खेली।राकेश रोशन के बर्थडे पर उनके बेटे और एक्टर ऋतिक रोशन ने बेहद ही प्यार भरा पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में एक्टर ने उनके संग बिताए कुछ पुराने पलों को याद किया जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें से कुछ तब की है जब उन्होंने करियर की शुरूआत की थी। कुछ तस्वीर तबकी है जब ऋतिक बहुत छोटे हुआ करते थे। तस्वीरों को शेयर करते हुए ऋतिक ने इमोशनल कैप्शन भी लिखाकि पिता ने जो उनके अंदर हिम्मत और जज्बा पैदा किया उससे वो हर मुश्किल का सामना कर पा रहे हैं। जिंदगी जब भी कठिन लगती है तोब भी उनके पिता का साथ उन्हें घर जैसा महसूस होता है। ऋतिक ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनके पिता उस सैनिक की तरह हैं, जिसे कोई हिला नहीं सकता। वर्षों के अनुभव ने उन्हें जिंदगी को दो तरह से समझना सिखाया और वो जानते हैं कि उनके पिता ने भी ऐसा ही किया है। असली वैल्यू अंदर से आती है, बाहरी तारीफों या स्वीकृति से नहीं।

न्यूयॉर्क की सड़कों में छाया हैली बीबर के हुस्न का जादू

ब्लेजर के नीचे टॉपलेस होकर जस्टिन बीबर की बीवी ने दिखाया बोल्ड लुक

सिंगर जस्टिन बीबर की पत्नी हैली बीबर अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। शुक्रवार को हैली को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया जहां उनका बोल्ड लुक देखने को मिला। हसीना ने स्लिंकी ब्लेजर के नीचे टॉपलेस लुक अपनाया।28 साल की ब्यूटी ने सिल्वरी-ग्रे जैकेट एक को-ऑर्ड सेट था जिसे मैचिंग वाइड-लेग पैंट्स के साथ पेयर किया गया था, जिनमें हल्की बेल-शेप थी। उन्होंने अपने मॉडर्न सूट को ब्लैक थॉन्ग हील्स के साथ कोऑर्डिनेट किया। हैली ने इस हॉट लुक को उतने ही सेंशुअल हेयरस्टाइल के साथ कंप्लीट किया। शुक्रवार रात के आउटिंग के लिए,इस स्किनकेयर एंटरप्रेन्योर ने अपने आई मेकअप को आउटफिट से मैच किया और अपने गालों पर मौव टोन का ब्लश लगाया जो उनके मैट लिपस्टिक के साथ खूबसूरती से मेल खा रहा था। फैंस हैली की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

मेरे कई दुश्मन बन गए थे, एक साल बाद मोहनलाल ने बताया क्यों दिया था एएमएमए अध्यक्ष पद से इस्तीफा

लगभग एक साल से भी ज्यादा के वक्त के बाद अब अभिनेता मोहनलाल ने एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के अध्यक्ष पद से इस्तीफे और उसे छोड़ने के पीछे की अपनी वजह का खुलासा किया है। मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ह्यहृदयपूर्वम को लेकर चचाओं में हैं। इस बीच अब मोहनलाल ने साल 2023 में उनके एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के अध्यक्ष पद को छोड़ने के पीछे की वजह बताई है। अभिनेता के इस फैसले ने उस वक्त लोगों को हैरान कर दिया था। जानिए अब एक्टर ने क्या वजह बताई? इसलिए दिया था इस्तीफा एशियानेट न्यूज के साथ हालिया बातचीत में अभिनेता ने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स (एएमएमए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। एक्टर ने बताया कि मुझे काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अचानक हम कई लोगों के दुश्मन बन गए। लेकिन इस्तीफे आलोचना की वजह से नहीं थे। मैंने तब इस्तीफा दिया जब मुझे लगा कि अब

समय आ गया है कि इसे पूरी तरह से विराम दे दिया जाए। मुझे लगता है कि उस वक्त जो लोग मतभेदों के कारण संगठन छोड़कर गए थे, वे अब वापस आ जाएंगे। लीडरशिप में परिवर्तन की सामान्य प्रक्रिया थी मोहनलाल ने यह भी कहा कि उनका जाना कोई हार नहीं, बल्कि लीडरशिप में परिवर्तन की एक सामान्य प्रक्रिया थी। उन्होंने इस साल के चुनावों के बाद एएमएमए में महिलाओं द्वारा नेतृत्व की भूमिकाएं संभालने के बाद हुए सकारात्मक बदलाव पर भी बात की। श्वेता मेनन ने अध्यक्ष पद संभाला और यह पद संभालने वाली पहली महिला बनीं। मोहनलाल ने 2018 से 2021 और 2021 से 2024 तक लगातार दो कार्यकालों में एएमएमए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्हें अपने इस्तीफे से पहले 2024 से 2027 तक भी पद पर बने रहना था। उन्होंने इस साल चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। 2024 में लगे थे आरोप बता दें कि अगस्त 2024 में हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद मोहनलाल ने एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। कलाकारों को यौन शोषण और शोषण से बचाने के लिए कुछ खास कदम न उठाने के लिए एएमएमए और खासकर मोहनलाल की आलोचना के बीच पूरी समिति को भंग कर दिया गया था।

आखिर किस वजह से उड़ गई रश्मिका की नींद ? एक्ट्रेस ने किया चौकाने वाला खुलासा

रश्मिका मंदाना एक भारतीय अभिनेत्री हैं जो मुख्य रूप से तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में काम करती हैं, लेकिन उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी कदम रखा है। बता दें की हाल ही में रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने फ्लाइट के अनुभव के बारे में खुलासा किया।इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि किस वजह से उनकी नींद उड़ जाती है और उन्हें रोजमर्रा में छोटे-छोटे फैसले लेना कितना मुश्किल लगता है। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक फ्लाइट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि सुबह 3रू50 की उड़ानें सबसे खराब होती हैं। उन्होंने कहा, यह न तो पूरी तरह रात है और न ही सुबह। इस समय उड़ानें मेरी नींद और आराम दोनों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने आगे बताया कि फ्लाइट के दौरान उन्हें यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि दो घंटे सोना चाहिए और फिर काम करना चाहिए। वरना बहुत बीमार और सुस्त महसूस करूंगी, या जागकर काम करना चाहिए और पूरा दिन खत्म करना चाहिए। (फिर भी मैं बहुत सुस्त रहूंगी) और फिर सोना चाहिए। रश्मिका ने इस पोस्ट में कहा कि यह रोजमर्रा के फैसले उनके लिए सबसे कठिन होते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका को आखिरी बार श्कुबेरश फिल्म में देखा गया था, जिसमें धनुष और नागार्जुन मुख्य भूमिका में थे। आने वाले समय में वह कई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिनमें हिंदी फिल्म ह्यथामा (आयुष्मान खुराना लीड रोल में), साउथ फिल्म श्मैसाश, और ह्यगर्लफ्रेंड फिल्म शामिल हैं। इस पोस्ट के बाद उनके फैंस रश्मिका के फ्लाइट के अनुभव और व्यस्त शेड्यूल को लेकर काफी हैरान और चौंके हुए हैं।रश्मिका मंदाना ने अपने फ्लाइट अनुभव के जरिए दिखा दिया कि व्यस्त शेड्यूल और असामयिक उड़ानें सिर्फ आराम और नींद को ही प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे फैसले भी चुनौतीपूर्ण बन जाते हैं। उनके फैंस के लिए यह खुलासा यह साबित करता है कि फिल्मों और ग्लैमर के पीछे भी कलाकारों की जिंदगी में तनाव और थकान आम होती है।

'सभी के लिए समान पहुंच', 20 श्रेणियों के उत्पादों पर लागू होंगे दिव्यांगजन सुलभता मानक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं को सुलभ बनाने के लिए मसौदा मानक जारी किए। इन मानकों में सार्वभौमिक डिजाइन, ब्रेल, स्पर्शनीय विशेषताएं और स्पष्ट लेबलिंग जैसी अनिवार्य शर्तें शामिल की गई हैं, ताकि दिव्यांगजन इन उत्पादों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बना सकें। डीईपीडब्लूडी ने तैयार किया ढांचा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (ऊएढ६ऊ) ने यह ड्राफ्ट ढांचा तैयार किया है। इसे 2016 के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के तहत लाया गया है। यह ढांचा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 'पीओयूआर' दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके तहत हर उत्पाद का अनुभव योग्य, संचालित करने योग्य, समझने योग्य और मजबूत एवं टिकाऊ होना जरूरी है। उत्पादों को 20 प्रमुख श्रेणियों में रखा गया इसमें कहा गया है

नेपाल में सोशल मीडिया बैन पर सियासी तूफान

नेताओं ने देश की सरकार को घेरा

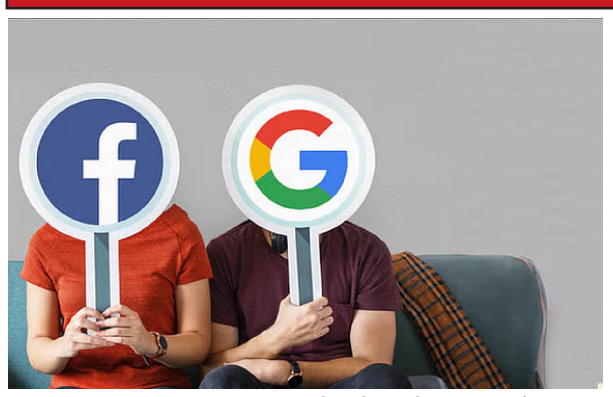

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाल सरकार द्वारा फेसबुक समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद किए जाने के फैसले पर देश भर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दलों से लेकर सत्ताधारी नेताओं तक ने इस कदम को संविधान विरोधी और जनविरोधी बताते हुए विरोध जताया है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहल ने सरकार पर आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से हो रही आलोचना को दबाने के लिए सरकार ने सोशल मीडिया बंद करने का निर्णय लिया है। उन्होंने सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा, 'यह कदम केवल संविधान विरोधी, अलोकतांत्रिक और जनविरोधी ही नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोशल मीडिया पर प्रकाशन और प्रसारण सम्बन्धी दिए गए आदेश की गलत व्याख्या भी है।' हालाँकि, दाहाल स्वयं जब प्रधानमंत्री थे, तब उनकी सरकार ने सामाजिक सद्भाव बिगड़ने का हवाला देते हुए टिकटॉक बंद करने का निर्णय लिया था। इसी तरह राष्ट्रिय स्वतंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष और सांसद स्वर्णिम वाग्ले ने कहा कि सोशल मीडिया बंद करना अधिनायकवाद का संकेत है। रामेछाप जिला के मन्थली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आज के डिजिटल युग में सूचना प्रवाह रोकने की कोशिश सूर्य को हथेली से ढकने जैसी है।' उनका कहना था कि जनता के दबाव और विरोध के कारण सरकार इस निर्णय को लागू नहीं कर पाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाल समाजवादी पार्टी (नया शक्ति) के अध्यक्ष बाबुराम भट्टराई ने कहा कि कर के दायरे में आ चुके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सूचीबद्ध न होने के आधार पर बंद करना गलत है। उनके अनुसार, राज्य आवश्यकतानुसार नियमन कर सकता है, लेकिन इंटरनेट और एआई ने सीमाएं पार कर ली हैं, ऐसे में पुरानी शैली से रोकना उचित नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री भट्टराई ने आगे कहा कहा, 'अगर सोशल मीडिया कंपनियां कर अदा कर रही हैं तो केवल अभिव्यक्ति को नियंत्रित करने के लिए उन्हें पुनः पंजीकरण कराना तर्क संगत नहीं है। यह फैसला अनावश्यक है, इससे जनता की असंतुष्टि बढ़ेगी और सूचना के अधिकार पर खतरा आएगा।' सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस पार्टी के नेता शेखर कोइराला ने भी इस निर्णय का विरोध किया है। कोइराला ने कहा, 'जनता की अपेक्षाओं और अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा न कर पाने की वजह से आलोचना झेल रही सरकार अब सोशल मीडिया बंद करने जा रही है। क्या सरकार ने सोचा है कि इस निर्णय से कितने नेपाली अपनी रोजी-रोटी से वंचित होंगे? मैं आग्रह करता हूं कि इस कदम को तुरन्त वापस लिया जाए और सोशल मीडिया को मर्यादित करने के लिए कानूनी प्रावधान बनाया जाए।' इसी तरह, सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस के महामन्त्री गगन थापा ने भी कहा कि सरकार ने सोशल मीडिया बंद करके गलत रास्ता अपनाया है। उन्होंने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की माँग की। थापा के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केवल सोशल मीडिया पर होने वाले अनचाहे सामग्री के मूल्यांकन, निगरानी और दुरुपयोग रोकने के लिए कानूनी व्यवस्था बनाने को कहा था, बंद करने को नहीं।

पुलिस ने ड्रग बनाने वाले सिंडिकेट किया पदार्फाश, 12000 करोड़ रुपये का मेफेड्रोन किया जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की मीरा रोड पुलिस ने शनिवार को एक बड़े ड्रग निर्माण सिंडिकेट का पदार्फाश किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 12000 करोड़ रुपये मूल्य का एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग जब्त किया। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान तेलंगाना के चेरामल्ली इलाके में स्थित फैक्ट्री से करीब 35000 लीटर ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाला

केमिकल भी बरामद किया है। जांच से पता चला कि यह फैक्ट्री कई वर्षों से चल रही थी और यहां तैयार ज्यादातर ड्रग्स मुंबई में स्थानीय अपराधियों और एजेंटों के जरिए सप्लाई किए जाते थे। ड्रग्स का निर्माण एक केमिकल फैक्ट्री की आड़ में गुपचुप तरीके से किया जा रहा था। अनुमान है कि इस फैक्ट्री से अब तक सैकड़ों किलो मेफेड्रोन तैयार कर बाजार में सप्लाई की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस और क्राइम ब्रांच ने करीब एक महीने तक निगरानी रखने के बाद 60 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बांग्लादेशी महिला फातिमा मुराद शेख उर्फ मोल्लाह (23) भी शामिल है। जिसे पिछले महीने मीरा रोड से 24 लाख रुपये के ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। इस पूरे सिंडिकेट का मुख्य आरोपी एक आईटी एक्सपर्ट बताया जा रहा है। जिसने रसायनों की अपनी जानकारी का दुरुपयोग कर इस अपराध को अंजाम दिया।

'एपस्टीन के खिलाफ एफबीआई के मुखबिर थे ट्रंप'

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'ये पूरा छल डेमोक्रेटिक पार्टी का है क्योंकि वे लोगों का ध्यान हमारी सरकार की सफलता से हटाकर इस अप्रांसगिक मामले को उठा रहे हैं।' अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने दावा किया है कि जेफ्री एपस्टीन मामले में राष्ट्रपति ट्रंप एफबीआई के मुखबिर थे। जॉनसन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रंप ने कहा है कि एपस्टीन मामला डेमोक्रेटिक पार्टी का धोखा है। दरअसल अमेरिका में एपस्टीन मामले से जुड़ीं फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग लगातार उठ रही है। इसके चलते सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। माइक जॉनसन ने कही ये बात इस मामले को लेकर जब अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'वे (ट्रंप) ये नहीं कह रहे कि एपस्टीन ने छल किया, यह बहुत बड़ा गुनाह है। जब उन्होंने एपस्टीन के खिलाफ अफवाहें सुनीं तो ट्रंप ने अपने मार ए लागो रिजॉर्ट से जेफ्री एपस्टीन को निकाल दिया था। एपस्टीन के खिलाफ ट्रंप एफबीआई के मुखबिर भी रहे। राष्ट्रपति की पीड़ित महिलाओं के प्रति गहरी संवेदना है।'। हालांकि अभी तक व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जेफ्री एपस्टीन के कई हाई प्रोफाइल लोगों

से थे संबंध राष्ट्रपति ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'ये पूरा छल डेमोक्रेटिक पार्टी का है क्योंकि वे लोगों का ध्यान हमारी सरकार की सफलता से हटाकर इस अप्रांसगिक मामले को उठा रहे हैं।' जेफ्री एपस्टीन एक बदनाम यौन तस्कर था, जिस पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने का आरोप है। साल 2019 में एपस्टीन को यौन तस्कर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जेल में ही कथित तौर पर उसने आत्महत्या कर ली थी। जेफ्री एपस्टीन के ग्राहकों की लिस्ट में राजनीति, उद्योग और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत ताकतवर और संपन्न लोगों के नाम हैं। हालांकि अमेरिकी न्याय विभाग और संघीय जांच ब्यूरो (ऋइक) ने कहा है कि एपस्टीन के पास कोई ऐसी सूची नहीं थी जिसमें बड़े लोगों के नाम शामिल हों। उसने यह भी कहा कि एपस्टीन ने आत्महत्या की थी, जबकि संदेह जाहिर किया जा रहा है कि एपस्टीन की हत्या की गई थी। डोनाल्ड ट्रंप और एपस्टीन के संबंधों को लेकर भी कई सवाल उठाए गए हैं।

इमरान खान से मिलने अदियाला जेल पहुंचीं बहन अलीमा पर फेंके अंडे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की सियासत में हलचल तब मच गई जब रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर इमरान खान की बहन अलीमा खान पर

अंडा फेंका गया। घटना का वीडियो वायरल है। पीटीआई कार्यकताओं ने दो महिलाओं को पकड़ा, जिन्हें पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस के मुताबिक महिलाएं भी पीटीआई समर्थक थीं, जबकि पार्टी ने इसे सोची-समझी राजनीतिक साजिश बताया। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर गर्माहट का माहौल है। कारण है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान पर अंडा फेंकने की घटना सामने आई। ये घटना तब हुई जब अलीमा रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। अडियाल जेल में पिछले दो साल से इमरान खान कैद हैं। अलीमा पर अंडे फेंकने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अलीमा को अंडा मारा गया। इसके बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रहा है। फलस्वरूप पीटीआई के कार्यकताओं ने अंडा फेंकने के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में क्या कहना है पुलिस का? वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर पुलिस की प्रतिक्रिया की बात करें तो रावलपिंडी पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं भी पीटीआई समर्थक हैं। वे ऑल-गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रैंड एलायंस के अन्य सदस्यों के साथ अपने मांगों को लेकर प्रदर्शन करने आई थीं। पुलिस का कहना है कि अलीमा से पूछे गए सवालों का जवाब न मिलने पर उन्होंने अंडा फेंका। दूसरी ओर पीटीआई ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए आरोप लगाया कि यह एक राजनीतिक साजिश थी। पार्टी का दावा है कि इन महिलाओं को जानबूझकर वहां भेजा गया और पुलिस ने उन्हें बच निकलने में मदद की। इस घटनाक्रम से राजनीति में बयानबाजी तेज इस घटना के बाद पाकिस्तान भर में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है।

पहले हथौड़ा मारा, फिर पुलिसवालों को...; आंध्र प्रदेश की उप-जेल से फरार हुए दो कैदी, तलाश जारी

अमरावती । अनाकापल्ली जिले के चोडावरम उप-जेल से दो कैदी नाटकीय ढंग से फरार हो गए। उन्होंने जेल के हेड वार्डन यानि मुख्य प्रबंधक पर हथौड़े से हमला कर दिया और उसके बाद चंद मिनटों में जेल से भाग निकले। पुलिस ने इस घटना

को बेहद गंभीर मानते हुए मामला दर्ज किया है और फरार कैदियों की तलाश के लिए कई टीमों को लगाया गया है। पूरी घटना जेल के सीसीटीवी में कैद हो गई है। रीब चार बजे यह घटना हुई। कुमार और रामू नाम के दो कैदियों ने इसे अंजाम दिया। पहले इन दोनो कैदियों के बारे में जान लेते हैं। कुमार नाम का कैदी पंचायत सचिव है। वो अप्रैल से जेल में बंद था। वहां वो खाना पकाने का काम करता था। इसीलिए रसोई की चाभी वो मुख्य प्रबंधक (वीरा राजू) को देता था। जेल से भागने वाले दिन भी वो रसोई की चाभियां लौटाने गया था और उसी समय मौका पाकर उसने तुरंत मुख्य प्रबंधक पर हमला कर दिया। खून से लथपथ प्रबंधक उसी समय दूसरे कैदी की भूमिका भी शुरू हुई। उसने मौके का फायदा उठाया और दौड़कर गाड्र्स को एक कमरे में बाहर से बंद कर दिया। ये गाड्र्स उस समय सो रहे थे। इसके बाद दोनों कैदियों ने घायल और खून से लथपथ वार्डन से मुख्य गेट की चाभियां छीन लीं। पूरी घटना महज दो से तीन मिनट में घटित हुई और कैदी जेल से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि घटना के हर पल सीसीटीवी कैमरे में दर्ज है। फरार कैदियों का आपराधिक रिकॉर्ड पुलिस ने बताया कि फरार कैदी रामू पर पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ट्रंप के बदले तेवर को विशेषज्ञ ने यू-टर्न बताया; कुगेलमैन बोले- भारत-चीन पर बयान में दिखी हताशा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिप्पणी की थी कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ट्रंप की इस टिप्पणी पर अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार माइकल कुगेलमैन ने कहा कि यू-टर्न लेना ट्रंप की आदत है। ट्रंप की टिप्पणी भारत द्वारा व्यापार वार्ता में सभी रियायतें देने से इनकार करने और भारत-पाकिस्तान युद्धविराम का श्रेय ट्रंप को न लेने देने से उनकी हताशा को दशार्ती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने 'भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।' ट्रंप की इस टिप्पणी ने बहस छेड़ दी है। एशिया पैसिफिक फाउंडेशन ऑफ कनाडा के वरिष्ठ फेलो माइकल कुगेलमैन ने कहा कि ट्रंप के बयान बेहद अप्रत्याशित होते हैं। आज जो वह कहते हैं, कल उससे बिल्कुल अलग हो सकता है। कुगेलमैन ने कहा, 'यू-टर्न लेना ट्रंप की आदत है। वे साफ तौर पर

चीन की नीतियों से नाराज हैं।' कुगेलमैन ने यह भी कहा कि ट्रंप की यह टिप्पणी भारत द्वारा व्यापार वार्ता में सभी रियायतें देने से इनकार करने और भारत-पाकिस्तान युद्धविराम का श्रेय ट्रंप को न लेने देने से उनकी हताशा को दशार्ती है। अमेरिका-चीन संबंधों पर पूछे गए सवाल पर कुगेलमैन ने कहा, 'राष्ट्रपति और उनके प्रशासन ने चीन को लेकर कोई साफ नीति पेश नहीं की है। आम धारणा तो यह थी कि मौजूदा ट्रंप प्रशासन, पिछले प्रशासन की नीति को आगे बढ़ाएगा और चीन को एक रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी, चुनौती या खतरे के रूप में देखेगा।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप चीन से प्रतिस्पर्धा जारी रखना चाहते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने कई बार यह भी संकेत दिया है कि वे चीन के साथ किसी न किसी तरह का समझौता करना भी चाहते हैं। ट्रंप आज जो कहते हैं, कल बिलकुल अलग हो सकता है कुगेलमैन ने दोहराया कि ट्रंप के बयान अक्सर बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'आज वह कुछ कहते हैं, तो कल बिलकुल अलग कह सकते हैं। यही कारण है कि अभी तक भारत और चीन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।' संभावित चीनी प्रतिक्रिया पर कुगेलमैन का मानना है कि बीजिंग को ट्रंप की इस तरह की अनिश्चित टिप्पणियों से फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा, 'यह सब बीजिंग के ही हित में जाता है। चीन तो वैसे भी एक नए तरह की विश्व व्यवस्था की शुरूआत करना चाहता है, जिसमें अमेरिका को चुनौती दी जा सके। और अगर राष्ट्रपति कह रहे हैं कि अमेरिका ने भारत जैसे अहम साझेदार को चीन के हाथों खो दिया है, तो यह साफ तौर पर चीन के लिए सकारात्मक बात है।' यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के प्रति कड़ा रुख रूस के मामले में कुगेलमैन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का रुख उसके प्रति कड़ा रहा है, खासकर यूक्रेन युद्ध को लेकर। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति रूस के प्रति सख्त रुख अपनाए हुए हैं। वे इस बात से नाखुश हैं कि रूस उनकी अपील पर यूक्रेन में लड़ाई रोक नहीं रहा।' तनाव कम करने की कोशिश कर रहे भारत-चीन कुगेलमैन ने आगे कहा, 'हकीकत यह है कि भारत चीन के पास नहीं गया है। बीते एक साल से भारत-चीन तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपने दूसरे कार्यकाल में कई बार यह संकेत दिया था कि वे चीन के साथ शांति और सुरक्षा पर काम करना चाहते हैं।

नई राजनीतिक व्यवस्था बनाने के लिए खालिस्तानी समूहों को कनाडा से मिल रही फंडिंग, रिपोर्ट में अहम दावा

ओटावा (एजेंसी)। रिपोर्ट में कहा गया है, 'खुफिया जांच एजेंसियों को पता चला है कि कनाडा में हमास, हिजबुल्ला और खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन आदि संगठनों को वित्तीय मिल रही है।' कनाडा के वित्त विभाग ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा किया

गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी समूहों सहित कई आतंकवादी संगठनों को राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा को बढ़ावा देने के लिए देश में वित्तीय मदद मिल रही है। कनाडा सरकार की '2025 के धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों के आकलन' रिपोर्ट में बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन सहित कुछ खालिस्तानी समूहों को राजनीति से प्रेरित हिंसक उग्रवाद (पीएमवीई) की श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट में खालिस्तानी समूहों और अन्य आतंकी संगठनों पर अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गैर-लाभकारी और धर्मार्थ क्षेत्रों सहित विभिन्न वित्तपोषण नेटवर्क का गलत फायदा उठाने का संदेह जताया गया है। रिपोर्ट में 'राजनीति से प्रेरित हिंसक उग्रवाद' को 'नई राजनीतिक व्यवस्था या मौजूदा व्यवस्था के भीतर नए ढांचे और मानदंड स्थापित करने के लिए हिंसा के उपयोग' के रूप में परिभाषित किया गया है। इन चरमपंथी समूहों को कनाडाई कानून के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है, जिसमें हमास और हिजबुल्ला भी शामिल हैं।

'बिना किसी पक्षपात के कानून का शासन लागू करना अदालतों का कर्तव्य'

विधि छात्रों से बोलीं जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीक्षांत समारोह में विधि छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कानून को एक किले के रूप में देखा जाता है, जिस तक केवल शक्तिशाली लोगों की पहुंच होती है, लेकिन वकील 'न्याय और जनता के बीच सेतु' बनकर इसे बदल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने निष्पक्ष रूप से सभी के लिए कानून के शासन पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित रखना है तो अदालतों

का कर्तव्य है कि वे इसे बिना किसी भय या पक्षपात के लागू करें। वे राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। इस दौरान जस्टिस नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि कानून केवल नियमों के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के बारे में हैं कि देश के हर प्रत्येक व्यक्ति को धन, स्थिति, जाति, लिंग या प्रतिष्ठा की परवाह किए बिना, कानून के सामने एक समान माना जाए। दीक्षांत समारोह में विधि छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कानून को एक किले के रूप में देखा जाता है, जिस तक केवल शक्तिशाली लोगों की पहुंच होती है, लेकिन वकील 'न्याय और जनता के बीच सेतु' बनकर इसे बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशा समाज में परिवर्तन लाने का माध्यम है, विशेष रूप से भारत के संदर्भ में, जहां बहिष्कार और गहरी असमानताएं बनी हुई हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917
मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।